मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष -12, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 174 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल

09 दिसंबर 2023 शनिवार

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

24 अधिकतम

15 न्यूनतम

Page- 7

# फिर खतरे में पड़ गई अस्मिता ईवीएम की

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

**वर्ष** 2023 में तीन हिंदी भाषी राज्यों में करारी हार के बाद कांग्रेस ने अपनी शिकस्त का ठीकरा ईवीएम पर फोडना शुरू कर दिया गया है। कासतौर से मध्यप्रदेश कांग्रेस दफ्तर में इसके लिए ऐसे-ऐसे तर्क(कुतर्क) गढ़े जा रहे हैं कि हर किसी का माथा ठनक जाए या वो हंसकर लोटपोट हो जाए।

सबसे पहले तो दावा किया गया कि ईवीएम की बैटरी 16 दिनों तक क्यों चार्ज बनी रही। यानि बीच में ही उसे बदल दिया गया। उन ईवीएम को जो कांग्रेस और भाजपा के पोलिंग एजेंट की मौजूदगी में खोली और सील की जाती है। यानि उन्हें सील करने के बाद किसी भी पार्टी के पक्ष में बन दबाना मुमकिन नहीं है। यह सभी जानते हैं कि ईवीएम मशीन कभी भी किसी इंटरनेट से कनेक्ट नहीं होती है। यानि उसके साथ छेड़छाड़ या हैकिंग संभव नहीं है। लेकिन हमारे एक कांग्रेसी मित्र ने कहा कि जिस तरह इसरो(भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान) धरती से चंद्रयान को संदेश देता रहता है। कुछ इसी तरह का हाथ इसरो की मदद से भाजपा और चुनाव आयोग ने किया है। एक ने तो यह तर्क भी गढ़ा कि डीआरडीओ(रक्षा अनुसंधान संस्थान) की मदद से ऐसा किया है।

कांग्रेसियों के पास इस बात का कोई जवाब नहीं है कि यदि ईवीएम के साथ इसी तरह छेड़छाड़ होती है तो पिछले विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने 90 में 68 सीटें हासिल कीं? मध्यप्रदेश में वह कैसे बहुमत के अंक के साथ ही कांग्रेस से पिछड़ गई? क्यों उसने राजस्थान में बहुमत हासिल कर लिया? ईवीएम पर सवाल उठाने वाली आप पार्टी ने लगातार दो विधानसभा चुनावों में 70 में से 67 या 64 सीटें हासिल कर ली? इसी साल हुए हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में कैसे कांग्रेस की सरकार बन गई। यदि मध्यप्रदेश के हालिया नतीजों की ही बात करें तो 230 में से 163 सीटें जीतने वाली कांग्रेस ने किस तरह प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ या उनके बेटे नकुल नाथ के संसदीय क्षेत्र छिंदवाड़ा की सातों सीटें जीत लीं? क्या ईवीएम पर सवाल उठाने वाले कांग्रेसी यह मानने को तैयार हैं कि अफसरों ने गड़बड़ी करके कांग्रेस को छिंदवाड़ा की सभी सीटों पर जितवा दिया। श्योपुर जिले की दोनों ही सीटें कांग्रेस कैसे जीत गई?

## वोटों के अंकगणित में पिछड़ गई कांग्रेस

ईवीएम पर सवाल उठाने वाले कांग्रेसियों के लिए जमीनी हकीकत को समझते हुए न सिर्फ आत्म मंथन की जरूरत है बल्कि आंकड़ों के आईने में अपनी हैसियत का आकलन करना जरूरी है। हार के असली कारणों को पहचाने बगैर वहल आगे नहीं बढ़ सकती। आंकड़ों के आइने में देखें तो हरेक को समझ में आता है कि वोट शेयर के मामले में वह न सिर्फ मप्र बल्कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ज्यादा नहीं पिछड़ी है। मध्यप्रदेश में 2018 के चुनावों में कांग्रेस ने 40.89 फीसदी वोट शेयर के साथ भाजपा की 109 सीटों के मुकाबले 5 सीटें ज्यादा हासिल की थीं। बावजूद इसके भाजपा 41.02 वोट शेयर के साथ कांग्रेस से 45 हजार वोट ज्यादा पाई थी। तब कांग्रेस ने 1 करोड़ 55 लाख 95 हजार153 वोट हासिल करते हुए अपने मत प्रतिशत को 36.79 फीसदी से करीब चार फीसदी ज्यादा बढ़ाते हुए सीटों का आंकड़ा 58 से 114 तक पहुंचाया था। इस बार यानि 2023 में कांग्रेस ने आधा फीसदी वोट शेयर घटने के बावजूद एक करोड़ 75 लाख 64 हजार 353 वोट हासिल करके अपने पक्ष में करीब बीस लाख वोट बढ़ाए। लेकिन भाजपा ने अपने वोट प्रतिशत को 41.02 से बढ़ाकर 48.55 फीसदी तक पहुंचा दिया। उसको मिले वोटों के आंकड़े में तकरीबन 56 लाख वोट बढ़ाकर कांग्रेस को काफी पीछे छोड़ दिया। भाजपा ने इस बार 2 करोड़ 11 लाख 8 हजार 771 वोट हासिल किए। अब सवाल यह है कि जब कांग्रेस का वोट बढ़ा और वोट शेयर मामूली घटा तो भाजपा के वोट में साढ़े सात फीसदी की बढ़त के साथ 56 लाख का इजाफा कैसे गया?

इसका सीधा सा जवाब यही है कि भाजपा ने कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने के बजाए तीसरे दलों और निर्दलीयों को मिलने वाले वोट बैंक पर हमला किया। 2018 के चुनाव में जहां तीसरे दलों के साथ अन्य को मिलने वाले वोट का शेयर 18.39 के मुकाबले 10.20 फीसदी पर आ गया। इसके चलते ही प्रदेश में सपा बसपा या गोंडवाणा गणतंत्र पार्टी के साथ न तो आप का खाता कुल पाया और न कांग्रेस तथा भाजपा के बागी ही कुछ काम कर सका। बसपा का वोट शेयर तो 2013 में मिले सात फीसदी से ज्यादा वोटों से गिरतेहुए पिछले चुनाव में 5 प्रतिशत के आसपास था तो इस बार वह 3.40 प्रतिशत के करीब आ गया। 1.77 फीसदी वोट पाने वाली गोगंपा एक प्रतिशत वोट भी नहीं पा सकी। सपा भी एक फीसदी से नीचे उतरकर आधा प्रतिशत पर आ गई। जाहिर है कि ईवीएम पर रोना रोने के बजाए कांग्रेसी अपना वोट बैंक बढ़ाने और भाजपा का वोट शेयर घटाने की कोशिश करेंगे तभी उनकी जीत मुमकिन होगी। गालिब का वो शेर दोहराने से कोई फायदा नहीं होने वाला कि 'जिंदगी भर गालिब हम यही गुनाह करते रहे, धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करते रहे।'

### हाईकमान कराएगा संगठन की संपूर्ण नई रचना के लिए रायशुमारी

# नेता के लिए कांग्रेस के भीतर ही कई प्रतिपक्ष

■ आशीष दुबे, भोपाल

करारी हार के बाद मप्र कांग्रेस के भीतर कोलाहल और कलह दोनों साथ कदमताल कर रहे हैं। अब नेता प्रतिपक्ष और प्रदेशाध्यक्ष के लिए घमासान छिड़ने लगा है। चूंकि मप्र में अब कांग्रेस को नये सिरे से गढ़ने के संकेत साफ हैं, इसलिये विधायकों की लॉबिंग तेज है। कल रात दिल्ली में हार की समीक्षा बैठक में यह साफ हो गया है कि कांग्रेस विधायक दल की राय के मुताबिक *संगठन की नयी सरंचना* बनेगी और विधायक दल के नेता के लिये भी रायशुमारी कराई जाएगी। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे अगले कुछ दिन में मप्र के लिये पर्यवेक्षक नियुक्त करेंगे।

इधर मप्र में अनुभवी विधायक सदन के भीतर अपने कद के मुताबिक पद की आस में हैं। सूत्र बताते हैं कि नेता प्रतिपक्ष के लिये हाइकमान के सामने तीन नाम हैं, जिन पर प्रारंभिक विचार चल रहा है। इनमें अजय सिंह,रामनिवास रावत और बाला बच्चन शामिल हैं,यद्यपि जोर तो उमंग सिंघार भी लगाने लगे हैं। सूत्र कहते हैं कि हार के चलते हाईकमान की सख्त नाराजगी से जो हालात हैं, उसमें दावेदारों के ज्यादा दबाव की गुंजाइश नहीं है।

सूत्र बताते हैं कि कमलनाथ खेमा चाहता है कि नेता प्रतिपक्ष उनकी पसंद का हो, लिहाजा बाला बच्चन के लिये कोशिशें चल रही हैं, मगर चुनावी पराजय के बाद नाथ अतिरिक्त प्रयास करेंगे, इसमें संदेह है क्योंकि उनकी भी भावी भूमिका अभी तय होना बाकी है। यदि वे पद छोड़ते हैं तो अध्यक्ष के लिये भी अपनी पसंद पर भी जोर देंगे, ऐसी स्थिति में उनके समर्थक तो खडाऊं-राज की कल्पना कर रहे हैं। हालांकि खुद नाथ कमांडिंग पोजीशन के प्रयास में बताए जाते हैं। प्रभारी महासचिव सुरजेवाला के मुताबिक अध्यक्ष खरगे पर छोड़ दिया गया है कि संगठन की नई रचना कैसे हो।

## दावेदारों के प्लस हैं तो माइनस भी

नेता प्रतिपक्ष के लिये यदि वरिष्ठता के आधार पर रामनिवास रावत पर अंतिम विचार हुआ तो विधायक दल राय जरूरी हो जाएगी। क्योंकि रावत की पहचान सिंधिया गुट के साथ थी, अब वे कांग्रेस में अपने तई संतुलन में चल रहे हैं। सूत्र मानते हैं कि ऐसे में नाथ दिग्विजय कैंप के समर्थक विधायक ***पहले विकल्प*** के तौर पर उनसे सहमत नहीं होंगे, मगर लगभग निर्गुट होने के चलते वे आखिरी विकल्प हो सकते हैं। अजय सिंह वरिष्ठता व पूर्व अनुभव के चलते स्वाभाविक दावेदार हैं, मगर उन्हें नाथ व दिग्विजय खेमा पूरी तरह मदद करेगा, इसमें संशय है। सिंह गुटीय तकाजों से यथासंभव दूर रहकर अकेले चलने की कोशिश करते रहे हैं। मगर एक जानकार सूत्र का कहना है- 'दिग्विजय खेमे को ***मजबूरी*** में पहले की ही तरह अजय सिंह का समर्थन करना पड़ सकता है।' आदिवासी विधायक उमंग सिंघार भी काफी सक्रिय हैं, लेकिन दिग्विजय व उनके खेमे से तल्खी सिंघार की बाधा बनेगी, इसीलिए हाल में सिंघार ने दिग्विजय से मिलकर व उन्हें पितातुल्य बताकर साधने की कोशिश की है।

## 66 विधायकों का गुटीय वजन

माना जा रहा है कि अभी कांग्रेस विधायकों का जो आंकड़ा है, उममें कमलनाथ के समर्थक लगभग तीस हैं, जबकि दिग्विजय समर्थकों की संख्या करीब 27 है। अरूण यादव व सुरेश पचौरी के करीबी विधायकों की संख्या पांच छह है। तीन से चार विधायक ऐसे हैं जो किसी गुट के नहीं माने जाते और समय के मुताबिक एडजस्ट हो जाते हैं।

## हाईकमान की *रीति* के बीच भाजपा की रायशुमारी दो नामों के इर्दगिर्द !

भाजपा विधायक दल की बैठक सोमवार शाम बुलाई गई है, इसमें पर्यवेक्षक मनोहरलाल खट्टर समेत तीनों पर्यवेक्षक मौजूद रहेंगे। सूत्रों का कहना है कि भाजपा हाइकमान ने दो नामों पर अंतिम तौर पर जो विचार किया है उसके इर्दगिर्द भोपाल में भाजपा विधायकों की राय ली जाएगी। सूत्रों का कहना है कि पर्यवेक्षकों को अन्य किसी नाम के प्रति झुकाव को भी गंभीरता से नोट करने को कहा गया है, इनकी रिपोर्ट पर ही हाइकमान फैसला लेगा। इस तरह मप्र को नया सीएम मंगलवार तक ही मिलेगा। हालांकि भाजपा हाइकमान मुख्यमंत्री चुनने की ***अपनी रीति*** के तहत किसी अन्य नाम पर भी सहमति बनाने के प्रयास करा सकता है। सूत्र बताते हैं कि ओबीसी चेहरे के नाम पर शिवराज सिंह के साथ प्रहलाद पटेल का नाम जुड़ा है तो अन्य वर्ग के नामों में नरेंद्र सिंह तोमर व वीडी शर्मा पर दिल्ली में बात की गई है।इनको लेकर अन्य नेताओं की राय ली जा चुकी है। गौरतलब है कि मप्र में बीते लगभग अठारह वर्ष में भाजपा ने ओबीसी चेहरे के साथ ही सरकार चलाई है। अब लोकसभा चुनाव के अंदरूनी आकलन के तहत इस बार मशक्कत जारी है।

# आतंकी संगठन में भर्ती मामले में एनआईए के कई शहरों में 40 छापे

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

**क्या है मामला :** एनआईए ने जिस केस में छापेमारी की है, वह आईएसआईएस की विचारधारा फैलाने से जुड़ी है। दरअसल, कुछ दिनों पहले ही एजेंसी ने एक आरोपी और उसके कुछ साथियों को गिरफ्तार किया था, जिस पर इस्लामिक संगठन की कट्टर विचारधारा फैलाने और भारत में आतंकी संगठन बनाने का आरोप था। इस संगठन ने भारत में इस्लामिक शासन के मकसद के साथ कई युवाओं की भर्ती की थी।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने शनिवार सुबह देशभर में 40 से भी ज्यादा जगहों पर छापेमारी शुरू की है। बताया गया है कि एजेंसी ने महाराष्ट्र में ठाणे, पुणे से लेकर मीरा भायंदर तक में कई ठिकानों पर रेड की वहीं, कर्नाटक में भी एजेंसी ने कई जगहों पर सुबह-सुबह छापे मारे। अब तक इन मामलों में महाराष्ट्र के पुणे से 13 लोगों की गिरफ्तारी की गई है। एनआईए ने जिन 44 जगहों पर छापे मारे हैं, उनमें कर्नाटक में एक, पुणे में दो, ठाणे के ग्रामीण संभाग में 31, ठाणे शहर में नौ और भायंदर में एक ठिकाना शामिल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकरोधी एजेंसी ने दोनों राज्यों में पुलिस के सहयोग से छापेमारी जारी है।

# तेलंगाना में शपथ विवाद, औवेसी का बायकाट

**हैदराबाद, एजेंसी।** तेलंगाना के नवनिर्वाचित विधायक आज विधानसभा के पहले सत्र में हिस्सा ले रहे हैं और शपथ ग्रहण कर रहे हैं। लेकिन एआईएम्ज्ञइशईएम्ज्ञ विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी को प्रोटेम स्पीकर बनाए जाने पर अब विवाद है। नवनिर्वाचित भाजपा विधायक राजा सिंह ने अकबरुद्दीन ओवैसी को प्रोटेम स्पीकर बनाए जाने का विरोध करते हुए कहा है कि मैं और पार्टी के अन्य सभी नवनिर्वाचित विधायक शपथ ग्रहण कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लेंगे। सिंह ने वीडियो जारी कर कहा कि वह जब तक जीवित हैं, ओवैसी के सामने शपथ नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि मैं उस व्यक्ति के सामने शपथ कैसे ले सकता हूं, जिसने अतीत में हिंदू विरोधी टिप्पणियां की थी?

# दिल्ली में लारेंस गिरोह से पुलिस की मुठभेड़, गोलीबारी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आज सुबह राजधानी दिल्ली के एक इलाके में गोलियों की तड़तड़ाहट गूंजती रही। पुलिस की स्पेशल सेल और लॉरेंस गिरोह के बीच जमकर गोलीबारी हुई जिसमें उस गिरोह के 2 शूटरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक शूटर नाबालिग बताया जा रहा है। दरअसल पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शूटरों को गिरफ्तार किया था, ये वहीं शूटर हैं जो 3 दिसंबर 2023 को पंजाब के एक पूर्व विधायक के पंजाबी बाग स्थित घर पर फायरिंग की घटना में शामिल थे। दोनो के नाम आकाश और अखिल हैं। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों शूटर्स पंजाब के पूर्व विधायक दीप मल्होत्रा के घर फायरिंग में शामिल थे और गोल्डी बराड़ के कहने पर इस काम को अंजाम दिया गया था। हाल में गोल्डी के कहने पर उसके गुर्गों ने पंजाब में पूर्व विधायक के शराब के ठेके भी जलाए गए थे।

# सहारा का अस्पताल बिका, मैक्स ग्रुप ने खरीदा

**लखनऊ एजेंसी।** उप्र की राजधानी के गोमती नगर में 27 एकड़ के परिसर में फैला हुआ सहारा अस्पताल बिक गया है। सहाराश्री सुब्रत रॉय के निधन के बाद अब इस दिग्गज अस्पताल को हेल्थ ग्रुप सेक्टर की कंपनी मैक्स ने खरीद लिया है। मैक्स की तरफ से स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में यह बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि मैक्स हेल्थकेयर लिमिटेड ने 940 करोड़ रुपये में सहारा को खरीदने की यह डील फाइनल की है। इससे पहले सहारा अस्पताल का मालिकाना हक स्टारलिट मेडिकल सेंटर प्राइवेट लिमिटेड के पास सुरक्षित था। अब मैक्स हेल्थकेयर ने स्टारलिट मेडिकल सेंटर में सौ फीसदी हिस्सेदारी हासिल कर ली है। गोमतीनगर के विराज खंड में स्थित सहारा अस्पताल 2009 में खुला था। बीते 14 सालों से यह यूपी और बाहर के विभिन्न हिस्सों के मरीजों के लिए खास था। हर साल यहां करीब 2 लाख मरीज इलाज के लिए आते हैं।

**मेट्रो एंकर**

### 35 फीट गहराई पर पहुंचा रहे चारा-पानी, मोबाइल कैमरे से नजर

# 11 दिन से अजब रेस्क्यू, बोरवेल में फंसा मेमना

**हाथरस, एजेंसी।**

बोरवेल में किसी बच्चे के फंसने की दर्दनाक घटना अक्सर सुर्खियों में बनी रहती है। यह सिलसिला कई साल से देशभर के लगभग हर प्रांत में चल रहा है। इस तरह के मामलो में सेना से लेकर पुलिस व प्रशासन तक अपने साजो सामान के साथ जुटते हैं।

मगर अब उत्तर प्रदेश के हाथरस में चलाए जा रहे एक ऐसे ही रेस्क्यू आपरेशन के चर्चे हैं, जो 11 दिन से चल रहा है और पैंतीस फीट गहराई में फंसा है एक मेमना ! मगर उसे बचाने के लिए हर संभव कोशिश की जा रही है। मेमना जिंदगी के लिए जूझ रहा है। उसे जिंदा रखने के लिये चार पानी भी पहुंचाया जा रहा है। एक रस्सी बोरवेल में डालकर मोबाइल फोन से मेमने का वीडियो भी बनाया गया है और उस पर लगातार नजर रखी जा रही है। मेमने को बचाने के लिए ग्रामीणों के

साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारी भी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इसे बचाने 4 जेसीबी और 1 पोकलेन मशीन भी कल पहुंची है। खबरों के मुताबिक, मुरसान कलेक्ट्रेट के पास एक भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। स्थानीय रहवासी मुकेश ने बताया कि 28 नवंबर एक मेमना बोरवेल में अचानक गिर गया। तत्काल इसकी सूचना पुलिस चौकी को दी गई थी। शुरुआत में तो करीब 7 दिन तक पुलिस ने कोई सक्रियता नहीं दिखाई। इसके बाद एक बार फिर मुकेश जब चौकी पर गया और जानकारी दी कि मेमना अभी भी जिंदा है। इसके बाद प्रशासन ने मेमने को निकालने का प्रयास शुरू किया।कल रात तक 15 फीट गहराई तक खुदाई हो चुकी थी। रस्सी के सहारे हर रोज मोबाइल फोन बोरवेल में डालकर मेमने का वीडियो तैयार किया जा रहा है।

## बोरवेल हादसे बेलगाम

भारत में बोरवेल में गिरने के हादसे बेलगाम हैं, यह भी उस वक्त हैं जबकि हर राज्य की सरकार कडे कूनन बनाने के दावे कर चुकी है,फिर भी खुले बोरवेल में बच्चे गिर रहे हैं और बड़ी? मुश्किल से बचाए जा रहे हैं या जान गंवा रहे हैं। ऐसे मामले में तकनीक को उन्नत करने की बातें भी होती रही हैं। कुछ समय पहले तमिलनाडु के मदुरै में रहने वाले अब्दुल रज्जाक ने एक ऐसी मशीन का आविष्कार करने का दावा किया था जिसका उपयोग बोरवेल में गिरने वाले बच्चों को बचाने के लिए किया जा सकता है। इसे लेकर रज्जाक का कहना था कि इसमें बच्चे को बोरवेल से लिफ्ट करने के लिए छतरी तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह गुजरात के युवकों ने रोबोट तकनीक की बात कही थी। हालांकि सेना और पुलिस के पास भी उन्नत संसाधन है लेकिन ऐसे मामले में कई तरह की जटिलताओं से देर हो जाती हैं।

## भोपाल के भानपुर क्षेत्र का सुबह का मौसम का दृश्य

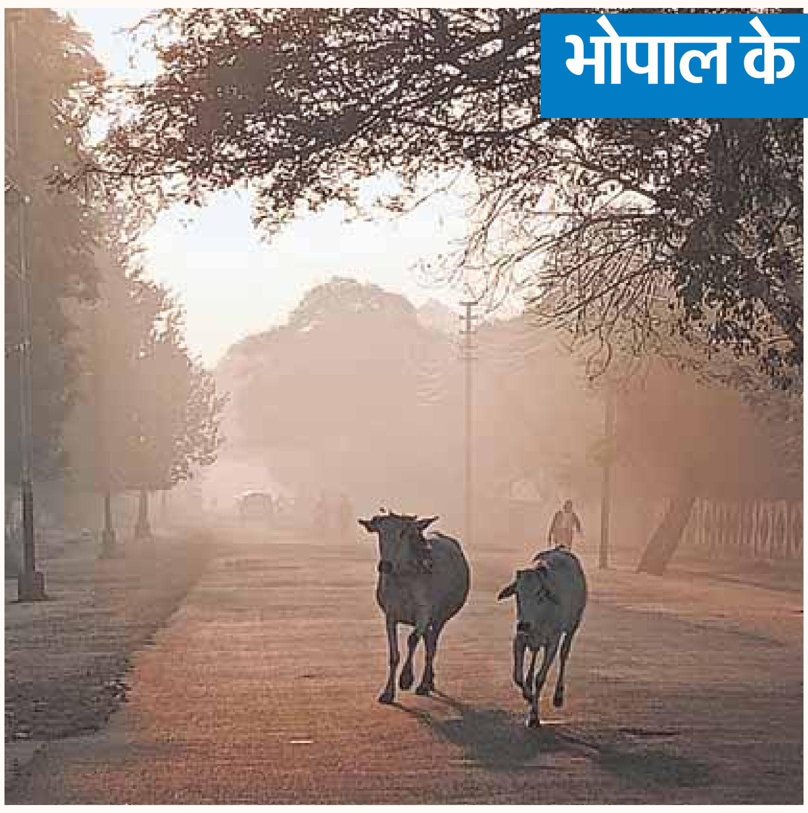

### ग्रीन एनर्जी एवं ऊर्जा संरक्षण की दिशा में बेहतर काम करने का दावा

# बचत करने वाले 1060 पंखे लगाकर एक साल में बचाए 13 लाख !

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल रेल मंडल ने स्टेशनों पर 1060 पंखे लगाए हैं। इन्हें बीएलडीसी पंखे कहते हैं जो बिजली कम उपयोग करते हैं। इनकी वजह से मंडल को एक वर्ष में 13 लाख रुपये की बचत हुई है। यह बचत बिजली बिल के रूप में हुई है। अधिकारियों का दावा है कि ग्रीन एनर्जी व उर्जा संरक्षण के लिए ऐसे पंखों का उपयोग बढ़ाएंगे।

### सौर उर्जा संयंत्र भी लगाए

भोपाल रेल मंडल के मुताबिक इन 13 स्टेशनों में माथेला, खिरकिया, टिमरनी, बनापुरा, छनेरा, अशोनगर, मुंगावली, शाजापुर, मंडीबामोरा, कंजिया, गुलाबगंज, मंडीदीप एवं गंजबासोदा शामिल है। इनमें 5 किलोवाट के सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए हैं। इनसे लगभग 8380 यूनिट्स प्रति माह बिजली पैदा हो रही है। इस प्रकार इससे लगभग अनुमानित 9 लाख रुपए सालाना की बचत होगी।इसके अतिरिक्त विंड सोलर हाइब्रिड प्लांट शिवपुरी, पनिहार, भोपाल, पाडरखेड़ा, विदिशा स्टेशन पर लगाए गए है, जो कि भोपाल मण्डल का एक और नवकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन देने के लिए उठाया गया कदम है।

भोपाल मण्डल मे विभिन्न स्थानों पर कुल 1 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र पूर्व से ही संचालित है, जिनसे लगभग वर्ष मे 13 लाख यूनिट्स का उत्पादन हो रहा है एवं लगभग 44 लाख रुपए सालाना की बचत हो रही है। हरदा, नर्मदापुरम, भोपाल, संत हिरदाराम नगर, साँची, विदिशा, गंजबासौदा, बीना, अशोकनगर, गुना, व्यावरा राजगढ़, शिवपुरी में 30-70 सर्किट ऑटोमेशन का कार्य भी किया गया है, जिससे ट्रेन आने पर ही प्लेटफार्म की लाइट 100 प्रतिशत जलेगी और ट्रेन जाने पर 70 प्रतिशत लाइट स्वतः ही बंद हो जाती है। इस व्यवस्था में सभी प्लेटफार्म की लाइट्स को होम एवं स्टार्टर सिग्नल से सफलता पूर्वक जोड़ा गया है। इसके अनुसार जब ट्रेन होम पर आती और उसे जैसे प्लेटफार्म पर आने के सिग्नल मिलेंगे वैसे ही प्लेटफार्म की 100 प्रतिशत लाइट्स जल जाती है और जब तक ट्रेन प्लेटफार्म पर खड़ी रहेगी तब तक सभी लाइट्स जलती रहती और जब गाडी को स्टार्टर सिग्नल मिलेंगे और उसके बाद ट्रेन स्टार्टर सिग्नल से जैसे ही गुजरती है वैसे ही लाइट्स 70 प्रतिशत स्वतः ही बंद हो जाती है।

# कॉर्पोरेट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में हुआ मॉक ड्रिल

### फायर एक्सटिंग्विशर और वॉटर कैनन का उपयोग करके प्रदर्शन किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित कॉर्पोरेट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की एनएसएस इकाई द्वारा तुशी एंटरप्राइजेज, भोपाल के जी एस चंद्रवंशी के सहयोग से फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। तुशी इंटरप्राइजेज, भोपाल के प्रशिक्षक राजेश भारके ने अग्नि बचाव सुरक्षा उपायों जैसे फायर एक्सटिंग्विशर और वॉटर कैनन का उपयोग करके प्रदर्शन किया और उन्होंने हम सभी को अग्नि सुरक्षा उपायों के बारे में एक बहुत ही जानकारीपूर्ण क्लास भी दी। हमारे सम्मानित निदेशक भरत गुप्ता सर भी पूरे कार्यक्रम में हमारे साथ रहे और हमारा समर्थन किया। आज के कार्यक्रम में कॉर्पोरेट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल के सभी संकाय सदस्य और कर्मचारी भी उपस्थित थे और उन्होंने अपनी सक्रिय भागीदारी दिखाई। यह अनोखा अनुभव था और कार्यक्रम का समापन अंकुर वर्मा, कार्यक्रम अधिकारी, एनएसएस इकाई, सी.आई.एस.टी., भोपाल द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

# जावा स्क्रिप्ट पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के कंप्यूटर सांइस विभाग द्वारा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में जावा स्क्रिप्ट पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को जावा स्क्रिप्ट से संबंधित महत्वपूर्ण व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना था।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने इस आयोजन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि छात्राओं को वर्तमान परिदृश्य के अनुसार कोडिंग और आवश्यक कौशल की समझ होना आवश्यक हैं।

इस तीन दिवसीय कार्यशाला में श्री विजय तिवारी,फाउंडर, प्रेजेंटली टेक एकेडमी,भोपाल विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं को जावा स्क्रिप्ट की आधारभूत जानकारी प्रदान कर रिएक्ट जे एस,डाटा हैंडलिंग, मोंगो डी बी,क्राउड ऑपरेशन, नोड जे एस और एक्सप्रेस जे एस को सविस्तार प्रभावी ढंग से बताया।

## नेशनल लोक अदालत के लिए 64 खंड पीठों का गठन लोक अदालत आज

**हिरदाराम नगर।** इस साल की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन 9 दिसंबर को जिला न्यायालय भोपा एवं तहसील न्यायालय बैरसिया में होगा। इसके लिए कुल 64 खण्ठपीठों का गठन किया गया है।मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश पर प्रधान जिला न्यायाधीशअमिताभ मिश्र के मार्गदर्शन में नेशनल लोक अदालत का आयोजन होगा। बता दे अदालत में कुल 1 लाख 41हजार 714 मामले लंबित मामले हैं। नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित आपराधिक शमनीय प्रकरण, धारा 138 पराक्राम्य लिखित अधिनियम, क्लेम प्रकरण, विद्युत अधिनियम, वैवाहिक विवाद सम्बंधी व अन्य सिविल प्रकरण सहित कुल 21008 राजीनामा प्रकरण रखे गये हैं। विद्युत अधिनियम, बैंक रिकवरी, जलकर एवं बी.एस.एन.एल. विभाग, यातायात ई-चालान से संबंधित लगभग 67751 प्रीलिटिगेशन प्रकरण नेशनल लोक अदालत के समक्ष रखे गए हैं। नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला न्यायालय भोपाल, तहसील न्यायालय बैरसिया, कुटुम्ब न्यायालय, श्रम न्यायालय, रेरा, पुलिस परामर्श केन्द्र सहित कुल 64 खण्डपीठों का गठन किया गया है।

# लाल साईं का आशीर्वाद लेने पहुंचे पूर्व मंत्री मलैया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पूर्व वित्त मंत्री और नव निर्वाचित विधायक जयंत मलैया शुक्रवार को संतनगर पहुंचे। यहां टैम्पल ऑफ संबोधि में संत लालसाईं से आशीर्वाद लिया। इस दौरान मलैया के पुत्र सिद्धार्थ मलैया भी साथ थे। मलैया ने कहा कि वेदांत संत लाल साईजी एवं सभी संतों माहत्माओं, मुनियों के आशीर्वाद से मुझे एक बार फिर जनता की सेवा का सौभाग्य मिला है, मैं पूरी लगन के साथ जनसेवा करूंगा। उन्होंने कहा कि टैम्पल ऑफ संबोधि मे आकर मुझे हमेशा ही अलौकिक शांति का अनुभव होता है। लालसाईं ने जीत के लिए बधाई दी। लाल साईं ने कहा कि सेवा को जो मौका मिला है, उसमें अधिक से अधिक जन सेवा करें। बता दे दमोह विधानसभा सीट से जयंत मलैया ने बतौर भाजपा प्रत्याशी जीत दर्ज कराई है। उन्होंने कांग्रेस के अजय टंडन को 51, 205 वोटों से हराया है।

**मेट्रो एंकर**

### डेढ़ सौ लोगों की हुई जांच

# सुखसागर आश्रम में फ्री आई कैंप लगा, ऑपरेशन भी होंगे

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

**संतनगर के सुख सागर आश्रम में निश्शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 150 नेत्र रोगयों की जांच डॉ. विजय निचलानी एवं उनके स्टाफ द्वारा की गई। 30 लोगों के मोतिया बिंद के ऑपरेशन 16 दिसंबर को होंगे।**

### लोगों की जांच कर उपचार किया गया

16 दिसंबर को इन 30 लोगों को सुख सागर आश्रम से एस वी आई केयर एंड रिसर्च सेंटर ले जाकर ऑपरेशन किये जायेंगे। शेष लोगों की जांच कर उपचार किया गया। शिविर में बाबा गोबिंद दास सेवा समिति के अध्यक्ष श्री नारायणदास सभनानी, बाबा शिष्य रामचंद सभनानी, लीलाराम, मोहनलाल, श्यामकुमार गोपलानी,अर्जुनदास गुरबानी, बाबूलाल चोट रानी, अशोक चंदनानी उपस्थित रहे।

# सफरनामा की यादगार प्रस्तुति, संगीत ने घोली मिठास

**भोपाल दोपहर मेट्रो।** त्रिकर्षि संस्था ने अपने संस्थापक और प्रेरणा स्तंभ स्व केजी त्रिवेदी चच्चा की यादों को समर्पित प्रथम राष्ट्रीय नाट्य एवं सम्मान समारोह की शुरुआत राजधानी के शहीद भवन में कर्णमधुर रंगसंगीत और यादों का सफरनामा की आकर्षक प्रस्तुति से की। इसके अंतर्गत स्व. त्रिवेदी के सृजनशील व्यक्तित्व और कृतित्व पर विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही युवा कोरियोग्राफर मिलिंद दाभाड़े के निर्देशन में इन्हीं खुशनुमा यादों को उकेरती नृत्य-नाटिका सफरनामा प्रस्तुत की गई। सफरनामा शीर्षक से एक डाक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी किया गया, जिसे आदर्श शर्मा ने तैयार किया था। कार्यक्रम का शुभारंभ मारिस लाजरस के संगीत संयोजन में सुमधुर गणेश वंदना से हुआ। त्रिकर्षि के बाल व युवा कलाकारों के इस वृंद ने एक के बाद एक उन सभी संगीतकारों की संगीत रचनाएं पेश की, जिनका उपयोग केजी चच्चा ने अपने नाटकों में किया था।

### मध्यप्रदेश विधानसभा में लेखानुदान पेश करने की तैयारी

# तीन महीने के जरूरी खर्च का इंतजाम करेगी सरकार

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

मप्र में अगले वित्तीय वर्ष के बजट के स्थान पर नई राज्य सरकार विधानसभा में लेखानुदान प्रस्तुत कर सकती है। इसमें जून 2024 तक के व्यय के लिए आवश्यक प्रावधान किया जाएगा। मानसून सत्र में ही पूर्ण बजट प्रस्तुत होगा। लेखानुदान के साथ ही वर्ष 2023-24 के लिए द्वितीय अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें अभी की आवश्यकता के पूर्ति लिए विभागों को अतिरिक्त राशि दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि बजट के लिए सरकार नवंबर से तैयारियां प्रारंभ कर देती है। विभागवार प्रस्ताव बुलाने के साथ उप सचिव, विभागाध्यक्ष, सचिव और प्रमुख सचिव स्तर की बैठक होती है और फिर वित्त मंत्री भी अन्य मंत्रियों के साथ बैठक करके प्रस्तावों को चर्चा कर अंतिम निर्णय के लिए मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत करते हैं। विधानसभा चुनाव के कारण इस बार यह प्रक्रिया नहीं हुई।

दिसंबर के अंतिम सप्ताह या जनवरी के प्रथम सप्ताह में विस सत्र बुलाया जा सकता है। इसमें द्वितीय अनुपूरक बजट भी प्रस्तुत किया जा सकता है।

पांच साल पहले जब चुनाव के बाद भी यही स्थिति बनी थी तब सरकार ने यही किया था। तत्कालीन वित्त मंत्री तरुण भनोत ने अप्रैल से जून 2024 तक आवश्यक खर्च के लिए 72 हजार करोड़ रुपये से अधिक का लेखानुदान और तृतीय अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया था। अभी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी कह चुकी हैं कि आम चुनाव के पहले लेखानुदान प्रस्तुत होगा। चुनाव के बाद पूर्ण बजट प्रस्तुत किया जाएगा। वित्त अधिकारियों का कहना है कि यह सरकार पर निर्भर करता है कि वह बजट प्रस्तुत करना चाहती है या लेखानुदान। राज्य के बजट का बड़ा आधार केंद्र सरकार की योजनाएं, राज्यांश, वित्तीय सहायता सहित अन्य माध्यमों प्राप्त होने वाली राशि होता है, इसलिए सामान्यतः केंद्रीय बजट की प्रतीक्षा की जाती है।लेखानुदान में केवल जरूरी खर्च के लिए इंतजाम होते हैं। बंधन नहीं होने पर बड़ी और नई घोषणाएं भी आमतौर पर नहीं की जाती हैं।

### आरजीपीवी रैगिंग मामला

## शपथ पत्र देकर गायब हुए पैरेंट्स, दो माह बाद भी स्टूडेंट्स ने नहीं भरा जुर्माना

**भोपाल।** राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में करीब दो माह पहले सितंबर में रैगिंग और मारपीट के कुछ प्रकरण सामने आए थे। इसे लेकर आरजीपीवी ने 29 सितंबर को एक दर्जन स्टूडेंट्स पर करीब दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। इस दौरान विद्यार्थियों के पैरेंट्स को सूचित कर तलब तक किया गया। कुछ पैरेंट्स आरजीपीवी पहुंच कर शपथ पत्र तक दे चुके हैं, लेकिन कुछ आरजीपीवी तक नहीं पहुंच सके हैं। यहां तक कई स्टूडेंट्स ने अपना जुर्माना राशि तक जमा नहीं की है। कुछ तो राशि देने में आनाकानी तक कर रहे हैं। वे जुर्माना राशि कम कराने के लिए जोर लगा रहे हैं। हालांकि विद्यार्थियों ने अपनी शैक्षणिक गतिविधियां शुरू जरूर कर दी है। वहीं कुछ विद्यार्थी आरजीपीवी से दूर बने हुए हैं।

### संख्या बढ़ाने के लिए मप्र वन विभाग व डब्ल्यूडब्ल्यूएफ कर रहा प्रयास

# उप्र की तर्ज पर मप्र में भी गिद्धों के लिए होगा मृत मवेशियों का इंतजाम

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

**उत्तरप्रदेश की तर्ज पर मप्र में भी गिद्धों के लिए मृत मवेशियों का इंतजाम किया जाएगा, ताकि इन्हें पर्याप्त भोजन मिल सके। गिद्धों के संरक्षण के लिए लागू की जाने वाली इस व्यवस्था का नाम गिद्ध रेस्टोरेंट होगा। प्रदेश के 10 स्थानों पर ये खोले जाएंगे। इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्थानों का चयन वन विभाग द्वारा किया जा रहा है जबकि रेस्टोरेंट कैसे काम करेंगे, इसकी रूपरेखा डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के विशेषज्ञ बना रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मप्र में 9449 गिद्ध पाए जाते हैं इस बार फरवरी में गिद्ध गणना होनी है, जिसमें गिद्धों की संख्या बढ़ने की संभावना है। ये पर्यावरण के सुरक्षाकर्मी कहलाते हैं, क्योंकि मृत मवेशियों व जानवरों को खाते हैं जिसकी वजह से बीमारी फैलने का खतरा नहीं होता।**

### यहां खोले जाएंगे रेस्टोरेंट

भोपाल के नजदीक गिद्धगढ में एक रेस्टोरेंट खोला जाएगा। इसके अलावा मंदसौर, छिंदवाड़ा, पन्ना, नर्मदापुरम व बैतूल आदि जिलों में खोले जाएंगे।

### ऐसे होंगे गिद्ध रेस्टोरेंट

विशेषज्ञों के मुताबिक गिद्ध रेस्टोरेंट अर्थात एक सुरक्षित वन क्षेत्र होगा, जहां गिद्धों के लिए मृत मवेशियों व उनके मांस का भंडार किया जाएगा। इसमें दूसरे मांसाहारी वन्यप्राणी प्रवेश न करें, इसका प्रबंधन किया जाएगा। साथ ही जिन मृत मवेशियों को इन रेस्टोरेंट की सीमा में डाला जाएगा, उनकी जांच होगी। यदि उनमें से किसी में डाईक्लोफेनेक दवा का अंश मिलता है तो उस मवेशी को इन रेस्टोरेंट वाली सीमा में नहीं लिया जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि पशुओं को दी जाने वाली दर्द निवारक डाईक्लोफेनिक दवा को गिद्धों की मौत का कारण माना जाता है। हालांकि इस दवा के उपयोग पर पहले ही रोक लगा दी गई थी।

### इन वजहों से खोले जा रहे गिद्ध रेस्टोरेंट

गिद्धों के संरक्षण पर काम करने वाले जानकारों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर इनकी घटती संख्या चिंता का विषय है जिसे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, इसके लिए कई स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। हर दो साल में गिद्ध गणना की जा रही है, जिसमें गिद्धों के रहवास स्थलों का सर्वे किया जाता है। सर्वे में इस बात का पता चला कि गिद्धगढ़ जैसे गिद्धों की मौजदूगी वाले कई स्थानों पर इन्हें भोजन के संकट से गुजरना पड़ रहा है।

### वीडियो कांफ्रेंसिंग : नैक मूल्यांकन, पेंशन आडिट व अनुदान पर चर्चा

# आगामी सत्र की तैयारियों में जुटा उच्च शिक्षा विभाग

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

विधानसभा चुनाव के बाद अब उच्च शिक्षा विभाग आगामी सत्र की तैयारियों में जुट गया है। शैक्षणिक गतिविधियों और कार्यों में तेजी लाने के लिए शुक्रवार को उच्च शिक्षा विभाग के प्रदेश भर के एनआईसी केंद्रों से सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलसचिव, कालेजों के प्राचार्य और विभागीय अधिकारी अपने-अपने केंद्र पर एकत्रित होकर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जु?। इस बैठक में सभी विवि से परीक्षा परिणाम, यूजी-पीजी प्रथम सेमेस्टर के नामांकन शुल्क, स्वयं पोर्टल के माध्यम से आनलाइन पंजीयन और शिक्षण, विद्यार्थियों के ऑनलाइन प्रमोशन की समीक्षा, नैक मूल्यांकन की समीक्षा, पेंशन आडिट और अनुदान पर चर्चा हुई। इसके अलावा छात्रवृति, आउटसोर्स पदों पर नियुक्ति की कार्यवाही, भोज विवि के केंद्रों में प्रवेश,स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना, न्यायालयीन प्रकरणों, अराजपत्रित संवर्ग के रिक्त पदों, प्रयोगशाला और ग्रंथालय उन्नयन, जनभागीदारी निधि, दिसंबर 2023 से मार्च 24 तक हुए लोकार्पण व भूमिपूजन कार्यों की जानकारी ली गई। सभी कॉलेजों को निर्देशित किया गया कि वे किस विधानसभा और संसदीय क्षेत्र में आते हैं। इसकी जानकारी गूगल फॉर्म के माध्यम से प्रदान करें।

### कॉलेजों से मंगाई विधानसभा और संसदीय क्षेत्र की जानकारी, गूगल फार्म में भेजनी होगी

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री, भवन नियंत्रक विधानसभा राजधानी संभाग क्र. 3 लोक निर्माण विभाग,

**ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल फोन - 0755-2463894**

### निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न लिखित कार्यों हेतु निविदाएं मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों (ठेकेदारों की श्रेणी कॉलम में उदधृत अनुसार) से आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

| क्र. | एन.आईटी क्र. | सिस्टम टेंडर नं. | कार्य का नाम | कार्य की अनुमनि लागत | अमानत राशि | निविदा प्रपत्र का मूल्य | कार्य की अवधि | ठेकेदारो की श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 132/प.आ./ 23-24 व.ले.लि. दि 30.11.2023 | 2023 सीपीए 317813 | विधानसभा भवन मुख्य सभा कक्ष में स्थापित डिजिटल कान्फ्रेंस लेंग्वेज इन्टरप्रिटेशन, ऑटोमैटिक कैमरा कन्ट्रोल, साउण्ड रिइनफोर्समेंट एवं हॉल डिस्पले व्यवस्था का वार्षिक संधारण कार्य। | रू.35.52.617.00 | रू.50000.00 | रू5000.00 | 12 माह | लोक निर्माण विभाग में श्रेणी सी अथवा उसके ऊपर पंजीकृत निविदाकार |

(1) उपरोक्त वेबसाईट से ऑनलाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (tender documents )वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। (2)निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि दिनांक 10.12.2023 से दि. 15.12.2023 सांय 5:30 बजे तक निर्धारित है। (3) विस्तृत एन.आई.टी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकता है। (4) निविदा से संबंधित आवश्यक अभिलेख केवल ऑन लाईन ही प्राप्त किये जा सकेंगे।

(अजय श्रीवास्त)
कार्यपालन यंत्री, भवन नियंत्रक विधानसभा
राजधानी संभाग क्र.3 लोक निर्माण विभाग
ई-5 अरेरा कालोनी, भोपाल 0755-2463894

G-21357/23

### मेट्रो एंकर | प्रौढ़ शिक्षा अधिकारियों के प्रमोशन का मामला

# 13 साल तक चली सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई अब जल्द आ सकता है फैसला

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

स्कूल शिक्षा विभाग में प्रौढ़ शिक्षा अधिकारियों को दिए गए प्रभारी संचालक और अपर संचालक पद पर प्रमोशन के मामले में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका पर सुनवाई पूरी हो गई है।

इस मामले में सुनवाई वर्ष 2010 से 2023 तक, पूरे 13 साल तक चली। जिस पर अब फैसला जल्द आ सकता है। जानकारों की माने तो यह फैसला दोनो ही स्थिति में महत्वपूर्ण साबित होगा। सुप्रीम कोर्ट ने यदि शासन के निर्णय को सही बताया तो सब कुछ यथावत रहेगा, लेकिन यदि ऐसा नहीं हुआ तो नियम विरुद्ध प्रमोशन होने से सभी अधिकारियों की सेवाएं रिवर्ट हो जाएंगी, यानी स्कूल शिक्षा में अपर संचालक स्तर के अधिकारी, फिर से प्रौ? शिक्षा अधिकारी बना दिए जाएंगे। गांव-गांव जाएंगे, रात के समय कक्षा लगाकर निरक्षर नागरिकों को साक्षर बनाएंगे।

### 1991 में प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी के पदों पर हुई थी भर्ती

विभागीय जानकारों के अनुसार, मध्य प्रदेश में वर्ष 1991 में प्रौ? शिक्षा अधिकारी के पदों पर भर्ती की गई थी। इनका काम था 40 वर्ष से अधिक आयु के निरक्षर नागरिकों को साक्षर बनाना, उन्हें अपना नाम लिखना, प?ना एवं हस्ताक्षर करना सिखाना। यह भर्ती सरकार के विशेष अभियान के तहत हुई थी। इस हेतु कोई योग्यता (बीएड या डीएलएड) निर्धारित नहीं की गई थी। कर्मचारियों की नियुक्ति हुई। इसके बाद इन्हे स्कूल शिक्षा विभाग में विभिन्न पदों पर प्रमोशन दिया गया। इसो विरोध हुआ और मामला न्यायालय में पहुंचा।

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो
अपने कारोबार-उत्पाद को आगे बढ़ाएं दोपहर मेट्रो के साथ

विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
प्रधान कार्यालय 182 - ए शाहपुरा (मनीषा मार्केट के पास) भोपाल
फोन नं.- 0755-4917524, 0755-2972022

सुविचार

''जिस व्यक्ति के पास सीमित समय है,
उसके लिए असीमित दौलत के क्या मायने है।''

– अज्ञात

l ikndh;

# चुनावी राजनीति में प्रयोग के दूरगामी असर

इस बार के विधानसभा चुनाव में केंद्र में सत्तारूढ पार्टी भाजपा ने कुछ नये प्रयोग किये हैं और उसमें करीब साठ फीसद कामयाबी भी हासिल की है। दरअसल भाजपा ने अपने सांसदों व केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा का चुनाव लडा दिया। अब मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभाओं के लिए निर्वाचित भाजपा के 12 सांसदों में से दस ने संसद से इस्तीफा भी ?दे दिया है। बाकी दो के बारे में भी माना जा रहा है कि जल्दी ही इस्तीफा भिजवा देंगे और सभी नवनिर्वाचित विधायकों के रूप में अपनी भूमिका जल्दी ही शुरू करेंगे। देश की राजनीति में संभवत- यह पहला ही मौका है, जब इतनी बड़ी संख्या में किसी पार्टी के सांसदों ने राष्ट्रीय राजनीति से हटकर प्रदेश राजनीति में सक्रिय भूमिका चुनी है, हालांकि सांसदों के चुनाव से महत्वपूर्ण पार्टी द्वारा उनकी भूमिक का चुनाव रहा है। इसका पहला परिणाम तो यह हुआ है कि तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही अटकलबाजी और दिलचस्प हो गई है। मध्य प्रदेश में मौजूदा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और छत्तीसगढ़ व राजस्थान में क्रमश- पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमण सिंह और वसुंधरा राजे सिंधिया पहले से इस पद के दावेदार बताए जा रहे हैं, लेकिन प्रेक्षकों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व तीनों राज्यों में नए चेहरे को कमान सौंपना चाहता है। इस रस्साकशी का नतीजा क्या निकलता है यह जल्द स्पष्ट होगा, लेकिन इस्तीफों के बाद यह संभावना मजबूत कि पार्टी नेतृत्व इन नेताओं के अनुभव का लाभ उठाने की मंशा से इन्हीं में से किसी को मौका देना चाहेगा। हालांकि कल पर्यवेक्षक नियुक्त हो चुके हैं और आज विधायक दल की बैठक व रायशुमारी के भी आसार हैं। दूसरा नतीजा यह है कि पार्टी के अंदर और बाहर इस सवाल पर भी चर्चा शुरू हो गई है कि इस्तीफों से खाली हुई जगहों को भरने का क्या इंतजाम होगा। चूंकि चार महीने के अंदर लोकसभा चुनाव होने हैं, इसलिए उपचुनावों की कोई संभावना नहीं है। लेकिन केंद्रीय मंत्रिमंडल में जो अहम पद खाली हुए हैं, उन्हें भरने की के लिये फिलहाल तो अतिरिक्त कार्यभार सौंपे जा चुके है। बहरहाल यदि इस प्रकरण को देखा जाए तो साफ है कि मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री के रूप में भूमिका मिले या न मिले, सांसदी छोड़कर राज्यों में विधायक की भूमिका में आए ये नेता प्रदेश राजनीति को अलग ढंग से समृद्ध कर सकते हैं। अव्वल तो केंद्रीय मंत्री और सांसद के रूप में उनका अनुभव उन्हें अपेक्षाकृत छोटे कार्यक्षेत्र में चीजों को ज्यादा बारीकी से देखने का मौका देगा, जिसका लाभ बाकी विधायकों को ही नहीं, पार्टी और सरकार को भी मिल सकता है। दूसरी बात यह कि इनकी मिसाल से यह बात बार-बार रेखांकित होगी कि राजनीति सिर्फ अपनी निजी उपलब्धियों में इजाफा करने या अपना कद बढ़ाते रहने की जद्दोजहद का नाम नहीं है, भाजपा संगठन ने इनको लेकर जो फैसला किया है,उससे तो यही जाहिर हो रहा है। वैसे भी भाजपा इस वक्त पूर्ण बहुमत के साथ सरकार चला रही है, इसलिये अनुशासन का तत्व अन्य दलों के मुकाबले ज्यादा है। जब हाइकमान मजबूत होता है तो पार्टी में असंतोष के सुर भी दब जाते हैं। भाजपा ने राज्यों में अपने नेतृत्व में कई दावेदार जोड़ दिये हैं,इसका पहला फायदा तो वह विधानसभा चुनाव में ले चुकी है,आगे का फायदा उसकी रणनीतियों से सामने आता रहेगा।

# विकास विरोधी नहीं हैं सुरंगें, सड़कों से बेहतर हैं अंदर के रास्ते

**डॉ. अनिल प्रकाश जोशी**

सिलक्यारा हादसे के बाद से उत्तराखंड को आपदाओं के लिए कुख्यात बनाने की कोशिशें हो रही हैं, जबकि सुरंगें मनुष्य के लिए न केवल महत्वपूर्ण रही हैं, बल्कि पर्यावरण की दृष्टि से भी सड़कों से बेहतर हैं। पर्यावरणविदों को हिमालय को समझना है, तो उन्हें अपने खेमों की फिक्र छोड़ जमीन पर उतरना होगा।

उत्तराखंड आपदाओं और हादसों के लिए कुख्यात बना दिया गया है। केदारनाथ और जोशीमठ के बाद सिलक्यारा की सुरंग ने सारी दुनिया का ध्यान एक बार फिर खींचा। ऊपर से यह भी है कि यहां विशेषज्ञों और पर्यावरणविदों की एक लंबी कतार भी है, जो इस तरह की घटनाएं होने पर अपने तीर कमान पर चढ़ाए रखते हैं। सिलक्यारा की सुरंग ने देश-दुनिया में ब?ी बहस की शुरुआत कर दी। 41 मजदूरों का उस सुरंग में फंसना एक ऐसी पी?ा का विषय था, जिसने देश को झकझोर दिया था। उनकी सुरक्षित वापसी देश के लिए बड़ी राहत थी। इसके बाद अब सुरंगों पर चर्चा ने जोर पकड़ा है। इस तरह की आपदाओं में कई तरह के नए-पुराने प्रसंग ख? कर दिए जाते हैं, जिससे हम घटना के मूल बिंदुओं से भटक जाते हैं। सिर्फ सबक लेने की बात नहीं होती। घटना के वैज्ञानिक विश्लेषण में पड़े बगैर आधे-अधूरे विचारों को थोप देने की प्रवृत्ति दिखती है। सुरंगों को लेकर अपना ही इतिहास खंगाल लें, तो शायद अनावश्यक बोलने की जरूरत नहीं रहेगी। आदम जाति का इतिहास इस बात का साक्षी है कि गुफाएं हमारे लिए पहले चरण के आवास बने थे और अगर गुफा आर-पार हो गई, तो सुरंग का ही रूप ले लेती थी।अगर हम अपनी पुरानी सभ्यता में चले जाएं, तो राजाओं के जमाने से ही सुरंगों का बहुत ब?ा महत्व था। अपने ही देश में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में सुरंगें युद्ध से लेकर सुरक्षा तक में काम आती थीं। अब हमास और इस्राइल के युद्ध को ही देख लें, किस तरह से हमास ने सुरंगों में एक ब?ा राज ख?ा किया है। असल में 18वीं शताब्दी से ही दुनिया में यातायात के लिए सुरंगों को ब?ा रास्ता बनाया गया।

खासतौर से स्कैंडिनेविया या पश्चिमी देशों में सुरंगों से ही सड़कों का जाल बिछा। वहां सुरंगों को ज्यादा सुरक्षित माना जाता है और यह सच भी है। अपने ही देश में देख लें। देहरादून-दिल्ली के मार्ग में स्थित डाट काली मंदिर में बनी सुरंग अंग्रेजों की देन है। इसका सही से अता-पता हो या न हो, लेकिन यह 1800-1900 के आसपास में बनी है, जो आज तक पूरी तरह सुरक्षित है और उसके साथ ही उसी पहा? में दो और सुरंगें बनाई गईं, जो ट्रैफिक से निजात पाने के लिए जरूरी थीं। कच्चे-पक्के पहा?ों में सुरंगों से नुकसानों की चर्चा में यह भी संज्ञान में ले लेना चाहिए कि डाट काली वाली सुरंग शिवालिक पर्वत श्रेणी में बनी है, जो हिमालय का सबसे नया पहा? है। मतलब इन सुरंगों में बेहतर दर्जे के निर्माण कार्य हुए हैं।इतना ही नहीं, उत्तराखंड में ही रुद्रप्रयाग के पास केदारनाथ जाने वाली सुरंग सबसे ब?ा उदाहरण है, जिसकी पारिस्थितिकी सिलक्यारा जैसी है। असल में पर्यावरण की दृष्टि से अगर देखा जाए, तो स?कों की तुलना में सुरंग इसलिए बेहतर हैं, क्योंकि एक किलोमीटर की सुरंग कई किलोमीटर के जंगल और स?क के नुकसान से पारिस्थितिकी को बचाती है। फिर सुरंग में ऊपर के वन सुरक्षित भी रहते हैं और उन पर ज्यादा विपरीत प्रभाव नहीं प?ता। दुर्भाग्य यह है कि विशेषज्ञ व पर्यावरणविद् सुरक्षित शहरी स्थानों व खुद के लिए तमाम सुविधाओं से लैस रहकर जब प्रकृति को बचाने की बात करते हैं, तो फिर बात खपती नहीं है। सिलक्यारा की घटना निर्माण प्रक्रिया में निहित दोषों का परिणाम है। सुरंग में आगे ब?ते हुए पीछे का हिस्सा सुरक्षित करते चलना चाहिए था, जिसमें ब?ी चूक हुई। साथ ही, इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए सुरंगों में समानांतर सुरक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए थी, जो निर्माण करने वाली कंपनी की जवाबदेही का हिस्सा होना ही चाहिए।इन मुद्दों पर बात न कर, हम उस पहलू को नहीं छूते, जो घटना से लिया हुआ सबक होता। सिलक्यारा की सुरंग के बारे में विशेषज्ञों के दल ने ब?ा खुलासा किया कि यह एक जलागम क्षेत्र था। अब विशेषज्ञों को शायद यह पता नहीं है कि पूरा पहा? ही अपने आप में एक जलागम क्षेत्र है, जो वर्षा के पानी को दिशा देते हुए नदियों तक ले जाता है। वहीं दूसरी तरफ, विशेषज्ञ इस बात से भी चूक गए कि सिलक्यारा सुरंग के ऊपर जो भी वन हैं, वे चीड़ के जंगल हैं और इन जंगलों की भारी कमी यही मानी जाती है कि वे वर्षा के पानी को नहीं सोखते, इसीलिए चीड़ को विरोध झेलना पड़ता है। गौरतलब है कि जहां-जहां वन होते हैं, वहां इनकी ज?ें चट्टानों को भेदकर अपने लिए मिट्टी बनाती हैं। वनों के नीचे उनकी ज?ें चट्टानों को मिट्टी में परिवर्तित कर देती हैं, इसीलिए वे वन टिके रहते हैं। सिलक्यारा में भी वन चट्टानों को भेदकर मिट्टी बना चुके थे और ये मिट्टी सुरंग के अंदर छत में पक्का काम न होने के कारण गिर पड़ी।असल में सुरंग में ज्यादा महत्वपूर्ण निर्माण-शैली व तकनीक होती है, क्योंकि सुरंग के भीतर चट्टानों जैसी मजबूती दी जाती है, ताकि सुरंग पूरी तरह सुरक्षित रहे। हिमालय क्षेत्र में विशेषज्ञ भरे-पड़े हैं, फिर भी यह सबसे ज्यादा आपदा झेल रहा है और उसका कारण शायद यही है कि हम भ्रमित रहते हैं। हम ऐसी घटनाओं में एक ही पहलू को बार-बार दोहरा कर अपनी विशेषज्ञता या पर्यावरण के प्रति चिंता को झलकाने की कोशिश करते हैं।

इस तरह के विशेषज्ञों व पर्यावरणविदों को सब कुछ त्याग कर पहा? व वनों में रहकर आंदोलनों को धार देनी चाहिए। क्योंकि ठाट-बाट, सुविधाओं, मोबाइल, मोटरों के बीच आंदोलन न तो पनपते हैं और न ही जमीनी होते हैं। बेहतर समझ के लिए उन वंचितों के बराबर में खड़ा होना होगा, जो तथाकथित विकास में अपना हिस्सा चाहते हैं। हम उन पश्चिमी पर्यावरणविदों की तरह न बनें, जो अपने विकास के लिए दूसरों के हिस्से के विकास की बलि चढ़ाने की जिद में हैं।विकसित देशों के पर्यावरणविदों की यही शैली है कि वे अपने हिस्से के सुख को भोगने के बाद विकासशील देशों को पर्यावरण की शिक्षा देते हैं और यह भी कहते पाए जाते हैं कि हमने गलती की है, लेकिन आप इसे न दोहराएं। इसलिए अब ज्यादा सवाल इन्हीं बातों को लेकर होने चाहिए कि हम किस तरह से विकास व पारिस्थितिकी में समन्वय रखें। हिमालय में एकमत की कमी है। हम दो खानों में बंटे हैं। एक वर्ग विरोध में है और दूसरा पक्ष में है। दुर्भाग्य है कि हम विकल्प की तरफ जाने से कतराते हैं, क्योंकि हमें अपने-अपने खेमों को जिंदा जो रखना है।

**साभार :** यह लेखक के अपने विचार हैं।

## निशाना

### है प्रदर्शन काल !

– कृष्णेन्द्र राय

रस्साकस्सी चल रही ।
किसको दें कमान ?
सबकी है प्रतिष्ठा ।
और सबका सम्मान ।।
अपनी-अपनी शक्ति का ।
है प्रदर्शन काल ।।
कौन कौन है एकजुट ।
है बड़ा सवाल ।।
खुल रही है कलई ।
छिड़ा घमासान ।।
सबकी इच्छा बलवती ।
छू लें आसमान ।।
है भविष्य के गर्भ में ।
होगा कब कमाल ?
है बड़ा दिलचस्प ।
गलनी किसकी दाल ।।

## आज का इतिहास

- 2013 - इंडोनेशिया में बिनटारो के समीप ट्रेन हादसे में सात की मौत और 63 घायल।
- 2012 - मेक्सिको में विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से सात लोगों की मौत।
- 2011- आग की लपटों और ज़हरीले धुएं से घिरे कोलकाता के एएमआरआई (आमरी) अस्पताल में %रम्या राजन% और %पी.के. विनीथा% ने मानवता और बहादुरी की अतुलनीय मिसाल पेश की। अपनी जान की परवाह न करते हुए दोनों ने आठ मरीज़ों को सुरक्षित निकाल लिया, पर एक अन्य मरीज़ को बचाने के प्रयास में उनकी मौत हो गई।
- 2008- इसरो ने यूरोप के प्रसिद्ध उपग्रह प्रणाली विशेषज्ञ ईएडीएम एस्ट्रीयस के लिए सेटेलाइट का निर्माण किया।
- 2007 - पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ने पाकिस्तानी सरकार के साथ अपने सभी सम्बन्ध समाप्त करने की घोषणा की।
- 2006 - पाकिस्तान ने परमाणु क्षमता युक्त मध्यम दूरी के प्रक्षेपास्त्र %हत्फ़-3 ग़ज़नवी% का परीक्षण किया।
- 2003 - रूस में मास्को के मध्य भाग में विस्फोट से छह लोगों की मौत और कई घायल।
- 2002 - जॉन स्नो अमेरिका के नये वित्तमंत्री बने।
- 2001 - यूनाइटेड नेशनल पार्टी के नेता रानिल विक्रमसिंघे ने श्रीलंका के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली; तालिबान में नार्दन एलांयस का विमान दुर्घटनाग्रस्त, 21 मरे।
- 2000 - दक्षिण कोरिया का दर्जा विकासशील देश से बढ़कर विकसित देश किया गया।
- 1998 - रूस द्वारा आर्कटिक सागर में अपक्रांतिक परमाणु परीक्षण किया गया, आस्ट्रेलियाई क्रिकेट खिलाड़ियों शेन वार्न और मार्क वॉ ने एक भारतीय सट्टेबाज़ से 1994 में पाकिस्तान दौदे पर रिश्वत लेने की बात स्वीकारी।

# जीडीपी का हिस्सा बनें सामाजिक -पर्यावरणीय सरोकार

**अरुण मायरा**

पृथ्वी की सेहत, इसके वन, नदियां, महासागर और हवा संकट में हैं। मौसम में हो रहे बेलगाम बदलावों से इसी सदी के अंदर जीवन बदल जाएगा। दुबई में आयोजित कॉप-28 पर्यावरण सम्मेलन में शामिल हुए विश्व के नेता इसको थामने के उपायों पर सहमति के लिए प्रयास कर रहे हैं। पांच दिसम्बर को 'विश्व मृदा दिवस' मनाए जाने के साथ मेरे मन में अन्य शाश्वत विचार घुमड़ रहा है : वह मिट्टी जो सबको जीवन प्रदान करती है, उसकी अपनी सेहत कैसी है। विषैली धरती में डाले गए बीज उगने से रहे। प्रगति चालित अर्थव्यवस्था की नीतियों ने उसी प्राकृतिक पर्यावरण को क्षतिग्रस्त कर डाला, जिसके दम पर तमाम जीवन है। यह विचारधारा, जिसे बदलना कठिन है, आवश्यक पर्यावरणीय सुधारों को रोकती है और सततापूर्ण विकास ध्येयपूर्ति को धीमा बनाती है, इसमें सामाजिक चुनौतियां और मौसम में बदलाव जैसे विषय भी शामिल हैं।

प्रकृति अपनी मिट्टी की सेहत कैसे बनाए रखती है? शायद कुदरत से सीखे गए सबक संस्थानों द्वारा आर्थिक तरक्की को परिभाषित करने की परंपरा और विचारों को बदलने में हमारा मार्गदर्शन कर पाएं।जाब के कृषकों को व्यापक पैमाने पर अन्न उत्पादन करने की तकनीकें और जरूरी साधन मुहैया करवाए गए थे ताकि देश का पेट भरने को गेहूं और चावल का उत्पादन बढ़ सकेङ्क इसके लिए मोनोकल्चर एग्रीकल्चर के साथ आयातित बीज-खाद और बांधों, नहरों और भूजल स्रोतों से सिंचाई जल भी उपलब्ध करवाया गया। भूजल स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंचता देख, धान बुवाई का समय बारिश की आमद के साथ जोड़ा गया। लेकिन इससे धान-कटाई और गेहूं-बिजाई के बीच पराली उठान के लिए समय घटता गया। किसान पराली को नैसर्गिक रूप से मिट्टी में जज़्ब होने का इंतजार करने या इसका उपयोग कहीं और करने की बजाय, जलाने लगे। इससे प्राकृतिक अपशिष्ट क्षरण चक्र जाता रहा। अब किसानों को ऐसी नई तकनीकों की जरूरत है जिससे कि पराली अन्य कहीं इस्तेमाल के लिए खेत से उठ पाए। परंतु उनके पास इस हेतु आर्थिक स्रोत नहीं है। इसी बीच रसायनों के प्रयोग से उनकी मिट्टी विषैली होती गई।

किसी प्राकृतिक वन या भूभाग में नाना प्रकार की वनस्पतियां, पक्षी, जीव और कीड़े-मकोड़े हुआ करते हैं, जिनका जीवन-चक्र एक-दूसरे पर निर्भर है। इन सबका जीवन प्रकृति की जटिल व्यवस्था पर आश्रित है। मनुष्य ने खेत में खरपतवार समझी जाने वाली हरेक नस्ल को पनपने नहीं दिया। इस तरह खेत में केवल एक प्रजाति की पौध रखकर उत्पादन करना और कमाई बढ़ाते जाने वाला तरीका अपनाया। 'आधुनिक वैज्ञानिक खेती और वन उपायों' ने प्रकृति का खुद का जीवन बरकरार रखने वाली प्रणाली को तहस-नहस कर दिया है। आधुनिकता, वैज्ञानिकता, आर्थिक तरक्की अच्छी बात है। इन्होंने मनुष्य के जीवन काल में इजाफा किया है। बहुत से देशों में बुजुर्गों की गिनती युवाओं से अधिक हो गई है। उनकी सरकारें महिलाओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहन पैकेज तक देने लगी हैं ताकि अर्थव्यवस्था सतत बनी रहे। यहां तक कि भारत में भी, कुछ ही सालों में बुजुर्गों की जनसंख्या युवाओं से ज्यादा हो जाएगी और हमें 'वृद्ध भारत' वाली स्थिति से निपटने की तैयारी करनी होगी। मौजूदा अर्थव्यवस्था प्रणाली में न तो वृद्धों को और न ही परिवार या समुदाय की देखभाल को 'उत्पादक' माना जाता है। अर्थशास्त्रियों की इच्छा है कि अधिक संख्या में महिलाएं नव-उद्यमी बनें ताकि जीडीपी में इजाफा हो, भले ही इससे परिवार और बुजुर्गों की अनदेखी हो। देखभाल की इस बढ़ती जरूरत को पूरा करने को नए-नए उपाय, जो कि अधिकांशतः पेशेवर हैं, ढूंढ़े जा रहे हैं। बताया जाता है कि इससे भी जीडीपी में इजाफा होगा, परंतु इसकी एवज में चाहे परिवारों और समुदायों का नैसर्गिक रूप से साथ रहने की परंपरा टूट जाए।

सरकारें, जिन्हें सामाजिक एवं पर्यावरणीय सरोकारों वाली व्यवस्था बरकरार रखने पर ध्यान देना चाहिए, यहां उनकी भूमिका एक किसान की तरह होनी चाहिए यानी आजीविका कमाने में विविधता कायम रखने की जिम्मेवाराना सहजवृत्ति निभाना। सरकारों के लिए बुजुर्ग आबादी की देखभाल करने के लिए स्रोत कम पड़ रहे हैं। वे बुजुर्ग, जो परिवारों से अलहदा हैं, उनके लिए वृद्ध-संभाल गृह होने चाहिए, क्योंकि अधिकांश इसका खर्च उठाने लायक नहीं हैं। महंगाई सूचकांक से जुड़ी अधिक पेंशन देने के लिए सरकारों को कंपनियों, कामकाजी वर्ग पर अधिक कर लगाने पड़ते हैं, जो कि वह देने को राजी नहीं। फिर सेवानिवृत्तों को पुनः नौकरी देने का विरोध भी युवा करते हैं क्योंकि उन्हें भी यथेष्ट वेतन वाली अच्छी नौकरी चाहिए। 'लचीली रोजगार व्यवस्था', जिसमें नियोक्ता किसी कर्मी को अपनी जरूरत और मुनाफे के हिसाब से रखता-हटाता है, इससे भी नौकरियां घटती जा रही हैं। महिलाएं, बुजुर्ग और सामाजिक देखभाल प्रदाता समाज का मूल्यवान स्रोत हैं। वे स्वास्थ्य और समाज की निरंतरता बनाए रखने वाली सेवाएं प्रदान करते हैं, जो कि आधुनिक अर्थव्यवस्था के मूल्यांकन खाके में फिट नहीं बैठती। देखभाल-सेवा में जो श्रम-समय लगता है उसका आर्थिक मूल्यांकन नहीं किया जाता।

जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व नेतृत्व से मनुष्यता-केंद्रित नव-व्यवस्था का खाका बनाने का अनुरोध किया था। लेकिन ढर्रे को बदलना आसान नहीं। उनकी इस अपील के बरअक्स भारत के नीति निर्माता जीडीपी वृद्धि को देश की तरक्की का पैमाना बनाकर मूल्यांकन करना जारी रखे हुए हैं। जहां एक ओर भारत विश्व में सबसे तेजी से बढ़ रही मुख्य अर्थव्यवस्थाओं में एक है, वहीं जीडीपी वृद्धि की प्रति इकाई के पीछे नौकरियां पैदा करने की इसकी दर सबसे कम है। दुनिया के सबसे प्रदूषित नगरों की सूची में भारतीय शहर हैं, हमारा भूजल स्तर गिरता जा रहा है।जीडीपी दर को किसी मुल्क की आर्थिक सेहत का पैमाना मानने के मूल सिद्धांत में वैचारिक खोट यह है कि इसमें उन्हीं तत्वों को गिना जाता है जिसे अर्थशास्त्री अहम समझते हैंङ्क यानी पैसे से मापी जा सकने वाली आर्थिक गतिविधियां और उत्पादन। जीडीपी गणना में उसका कोई मोल नहीं जिसका महत्व मनुष्यता के लिए है। किसी कॉर्पोरेट की कारगुजारी को मापते वक्त ध्यान निवेशकों को मिले मुनाफे पर केंद्रित रहता है। इसकी एवज में बृहद व्यापारिक माहौल और प्रकृति पर क्या असर रहा, यह नहीं गिना जाता। लेकिन सततापूर्ण पर्यावरण ध्येय की सूची में, आपस में गुंथे सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक समस्या के अलावा बुजुर्ग बनती जनसंख्या से पैदा चुनौतियां शामिल हैं और इनके आलोक में नव-आर्थिक एवं जन-नीतियों पर विचार करने की जरूरत है। तुर्रा यह कि पर्यावरण बदलाव में सुधार हेतु नए उपायों के लिए वित्तीय मदद की घोषणा करने का विचार उसी मिट्टी में रोपा जा रहा है, जो वित्तीय संस्थानों एवं कॉर्पोरेट हितों का पोषण करती है।

बदलाव का हल उच्चस्तरीय सम्मेलनों का आयोजन, केवल माहिरों को बुलाने से नहीं निकलने वाला। इसके लिए आम लोगों की राय, मसलन, किसान, देखभाल सेवा प्रदाता, श्रमिक और महिलाएं, जो भले आर्थिक माहिरों के पदानुक्रम में कहीं नहीं आते और जिन्हें स्थापित ढर्रे में फैसले लेते वक्त नज़रअंदाज किया जाता है, लेकिन ताकतवर लोगों को अपनी कुर्सियों से उतरना ही होगा और इनकी राय सुननी पड़ेगी।

**साभार :** लेखक योजना आयोग के पूर्व सदस्य हैं। यह उनके अपने विचार हैं।

# दो उपार्जन केंद्रों पर समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन कार्य शुरू

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

समर्थन मूल्य पर जिले के दो उपार्जन केन्द्रों पर धान खरीदी कार्य एक दिसम्बर से शुरू हुआ है किन्तु पंजीकृत किसानो के द्वारा आठ दिसम्बर को धान विक्रय हेतु लाना शुरू किया गया है कि जानकारी देते हुए राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित के जिला विपणन अधिकारी श्री कल्याण सिंह ने बताया कि एक से सात अगस्त तक उपार्जन केन्द्रो पर किसी भी कृषक के द्वारा धान विक्रय हेतु नही लाई गई है। जिले के पहले कृषक रजनीश दांगी के द्वारा 36.40 क्विंटल धान का विक्रय किया गया है। आज शुक्रवार से दोनो उपार्जन केन्द्रो पर पंजीकृत कृषको के द्वारा विक्रय हेतु धान लाई जा रही है गौरतलब हो कि पंजीकृत कृषको से समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य 19 जनवरी 2024 तक जारी रहेगा।

कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य सुव्यवस्थित निर्विघ्न रूप से संपन्न हो इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने बताया कि अच्छी औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) के धान का समर्थन मूल्य 2183 रूपए प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। विदिशा जिले में धान का समर्थन मूल्य पर क्रय करने हेतु नोडल एजेन्सी विपणन सहकारी संस्था मर्यादित के द्वारा किया जाएगा। विदिशा जिले कीं दो तहसीलो में एक-एक उपार्जन केन्द्र संचालित किया जाएगा जिसमें विदिशा तहसील में स्टेट वेयर हाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स कार्पोरेशन गोदाम मेला परिसर में तथा शमशाबाद तहसील में कृष्णा न्यूट्रीमेंटस 16, महानीम चौराहा शमशाबाद में उपार्जन किया जाएगा।

धान उपार्जन कार्य सप्ताह के पांच दिन प्रातः आठ बजे से सायं आठ बजे तक किया जाएगा। तौल पर्ची सांय छह बजे तक जारी की जाएगी। सप्ताह के शेष दो दिन शनिवार एवं रविवार को शेष स्कंध का परिवहन, भण्डारण व लेखा का मिलान तथा अस्वीकृत स्कंध का अपग्रेडेशन, वापसी का निराकरण किया जाएगा। गोदाम स्तर पर गुणवत्ता परीक्षण में पाए जाने वाले नॉन एफएक्यू स्कंध का भण्डारण उपार्जन समिति द्वारा गोदाम, केप पर नही किया जाएगा। विशेष परिस्थितियों में पांच दिवस से अधिक गोदाम, केप पर भण्डारण नहीं किया जाएगा। एफएक्यू के अनुरूप उपार्जन का दायित्व संबंधित उपार्जन केन्द्र चलाने वाली संस्था का होगा। कृषको को स्लॉट बुकिंग के माध्यम से नियत उपार्जन केन्द्र, तिथि या दिनांक को ही यथा संभव उपज लाकर तौल कराने की कार्यवाही की जाएगी ताकि केन्द्रो पर अप्रिय स्थिति निर्मित ना हो।

## दस्तावेजों का मिलान होगा

कृषको को अपनी उपज विक्रय के समय उपार्जन केन्द्र प्रभारी को जो दस्तावेंज जमा करने होंगे जिनका मिलान केन्द्र प्रभारी द्वारा किया जाएगा। उनमें जिन दस्तावेंजों की छायाप्रति जमा करनी है तदानुसार आधार कार्ड, बैंक पासबुक, समग्र आईडी, सिकमीदार किसानों के सिकमी अनुबंध, किसान पंजीयन पर्ची का हस्ताक्षरित प्रिन्ट आउट तथा मोबाइल एप से पंजीयन कराने वाले कृषकों को खसरा ऋण पुस्तिका की छाया प्रति इत्यादि शामिल है।

## 469 कृषको के द्वारा पंजीयन

जिले में धान उपार्जन के लिए नियुक्त ऐजेन्सी राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित के जिला विपणन अधिकारी श्री कल्याण सिंह ने बताया कि विदिशा जिले की सभी 12 तहसीलो के 469 कृषको के द्वारा समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने हेतु पंजीयन कराया गया है। जिसमें सर्वाधिक विदिशा तहसील के 175 तथा सबसे कम लटेरी के तीन कृषक शामिल है। इसके अलावा गुलाबगंज के 69, बासौदा के 46, शमशाबाद के 43, कुरवाई के 38, पठारी के 36, नटेरन एवं विदिशा नगर तहसील के क्रमशः 21-21 सिरोंज के आठ, ग्यारसपुर के पांच तथा त्योंदा तहसील के चार कृषको के द्वारा पंजीयन कराया गया है।

### आयुक्त नगरीय प्रशासन भरत यादव ने टीम गठन कर जांच के दिए आदेश

# आर्थिक गड़बड़ी की शिकायत को लेकर नर्मदापुरम नपा की जांच शुरू

- नगर पालिका लेखा एवं वित्त नियम के उल्लंघन का मामला
- कई महीने तक एक कनिष्ठ लिपिक के हवाले लेखाकक्ष,
- सहायक लेखा अधिकारी को प्रभार नहीं दे सके सीएमओ
- लिपिक को सहायक लेखा अधिकारी का प्रभार देने के रहस्य से भी जाँच के दौरान उठेगा पर्दा

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

नगर पालिका परिषद में कोई कितना भी ईमानदार अध्यक्ष बन जाए कितना भी ईमानदार सीएमओ पर पदस्थ हो जाए पर भ्रष्टाचार और आर्थिक अनियमितताओं को दूर करना किसी के बूते में नहीं। आर्थिक फर्जीवाडे को लेकर कई बार नगर पालिका की जांच हुई कर्मचारियों अधिकारियों को दोषी माना। फिर भी कर्ताधर्ता अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे। गतमाह आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास भरत यादव द्वारा जांच दल का गठन करके नगर पालिका नर्मदापुरम द्वारा किए गए अनियमित भुगतानों को लेकर आदेश जारी किया है।

09/11/23 को आयुक्त द्वारा जारी किए गए आदेश में स्पष्ट किया गया है कि नगर पालिका नर्मदा पुरम में ऑफलाइन टेंडर कोटेशन जारी कर सामग्री क्रय कर निर्माण सामग्री क्रय कर निकाय निधि से योजना के कर्मचारियों को भुगतान किए जाने एवं विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनियमित भुगतान किए जाने एवं मध्य प्रदेश नगर पालिका (लेखा एवं वित्त ) नियम 2018 में वर्णित प्रावधानों का उल्लंघन करके भुगतान किए जाने को लेकर प्राप्त शिकायत के आधार पर जाँच समिति का गठन किया गया है।

जाँच समिति में देवेंद्र कुमार व्यास उपसंचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग भोपाल को जाँच समिति का अध्यक्ष बनाया गया है जबकि सदस्य के रूप में निखिल सिंह सहायक यंत्री एवं सिद्धार्थ अवस्थी सहायक लेखा अधिकारी भोपाल को सदस्य बनाया है। 1 जनवरी 2022 से 31 अक्टूबर 2023 तक हुई आर्थिक अनियमितता की जांच का प्रतिवेदन आयुक्त नगरी प्रशासन एवं विकास विभाग के समक्ष 15 दिवस में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

## लेखा एवं वित्त नियम 2018 के अंतर्गत होगी जांच

प्रधान कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्मदापुरम नगर पालिका में लेखा एवं वित्त नियम के विरुद्ध भुगतान किए गए। इसको लेकर की गई शिकायत के आधार पर आयुक्त द्वारा जांच के आदेश दिए गए हैं। अनियमित भुगतान एवं भ्रष्टाचार का मामला सिद्ध होने पर संबंधित अधिकारी कर्मचारियों पर कार्रवाई होना निश्चित है।आयुक्त द्वारा जांच के आदेश दिए एक महीना हो गया है। पता चला है कि लेखा से संबंधित रिकॉर्ड को तलब किया जा रहा है। भुगतान की अवधि में लेखा कक्ष में कौन प्रभारी था कौन कर्मचारी था। इसका भी जांच के दौरान खुलासा हो जाएगा। सूत्रों से पता चला है कि कई महीने तक नगर पालिका में एक क्लर्क के पास लेखा पाल का प्रभार था।आशंका जताई जा रही है की संभवत- है इसी कार्यकाल में कुछ गड़बड़ी हुई है। यह कहां तक सत्य है यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा। लेखा कक्ष में संचालक नगरी निकाय भोपाल द्वारा एक सहायक लेखा अधिकारी की नियुक्ति होने के बावजूद भी सीएमओ द्वारा उन्हें कई महीने तक प्रभार नहीं दिया गया। एक कनिष्ठ लिपिक को लेखा शाखा का प्रभार देकर सीएमओ द्वारा जो गलती की गई है उसका खामियाना उन्हें भुगतना पड़ सकता है।

# बीमा दर निर्धारित: फसल बीमा योजना 31 दिसंबर तक किसान रबी फसलों का बीमा करा सकते हैं

**सीहोर, दोपहर मेट्रो**

कृषि विभाग ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत में एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड के माध्यम से कृषकों को फसल बीमा योजना का लाभ दिया जा रहा है। कृषक भाईयों को सूचित किया गया है कि योजनांतर्गत रबी 2023 के लिये सभी ऋणी, अऋणी, डिफाल्टर, बटाईदार किसानों के लिये बीमा की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2023 है।

जिला स्तर पर जिन फसलों को अधिसूचित किया गया है उनके प्रीमियम एवं बीमित राशि प्रति हेक्टेयर अनुसार दर निर्धारित की गई हैं। गेहूं सिंचित के लिए 765 प्रति हेक्टेयर, गेहूं असिंचित के लिए 540 प्रतिहेक्टेयर, चना के लिए 514.50 प्रतिहेक्टेयर एवं राई, सरसों के लिए 450 प्रति हेक्टेयर दर निर्धारित है।ऋणी किसानों का फसल बीमा संबंधित बैंक शाखा द्वारा अनिवार्य रूप से करा दिया जाता है एवं आऋणी कृषक फसल बीमा के लिए बैंक, एमपी ऑनलाइन, जनसेवा केन्द्र सीएससी के माध्यम से अपनी फसलों का बीमा करा सकते हैं।

किसानों को बीमा कराने के लिए अनिवार्य दस्तावेज आधार कार्ड नवीनतम, मोबाइल नम्बर, बैंक पासबुक जिसमें किसान का नाम, खाता संख्या, आईएफएससी कोड स्पष्ट हो, खसरा-बी-1 नवीनतम, खसरा अनुसार बोई गई फसल का प्रमाणित बुआई प्रमाण पत्र, किरायेदार किसान के लिए किरायानाम का शपथ पत्र होना अनिवार्य है।उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा होने पर 72 घंटे के अंदर कृषक सीधे अथवा अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से टोल फ्री नम्बर 18002337115 पर नुकसानी की जानकारी दे सकते है। किसान भाईयों से अनुरोध किया गया है कि अतिवृष्टि, बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति में 72 घंटे के अंदर कॉल करें एवं नुकसानी तिथि व वास्तविक आपदा की स्थिति भी दर्ज करें।

# झंडा दिवस तीनों सेनाओं को समर्पित है: डा. चौबे

### नर्मदा कॉलेज में एन.सी.सी.नेवल, आर्मी और विंग ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

नर्मदा कॉलेज में सशस्त्र सेवा झंडा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स द्वारा विभिन्न गतिविधियां संपन्न की गई ।प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज का दिन हमारी तीनों सेनाओं को समर्पित है। देश के लिए अपनी जान देने वाले फौजियों ,और सीमा सुरक्षा में लगे हुए फौजी जवानों की आर्थिक सहायता के लिए एनसीसी के युवाओं ने महाविद्यालय में तिरंगे के स्टीकरों को बेचकर देश प्रेम के जज्बे के साथ सेना की आर्थिक सहायता के लिए छोटी छोटी एकत्र की है । यह अत्यंत सराहनीय कार्य है।प्रभारी श्रीमती यास्मीन खान ने बताया कि नेवल ,आर्मी और विंग कैडेट्स ने पोस्टर निर्माण और रैली का आयोजन भी किया। इस आयोजन का उद्देश्य सेना और उनके परिवारों की आर्थिक सहायता करना है। डॉ अमिता जोशी ने भी विद्यार्थियों से युद्ध त्रासदी और सेना के शौर्य पर महत्वपूर्ण जानकारी दी । डॉ संजय चौधरी,प्रो राजदीप भदौरिया,प्रो शिवकांत मौर्य,अजय ठाकुर, निलेश, विक्रम, विजय, बृजेश धुर्वे, दुर्गेश, गौरव ,सचिन, ईश्वर, प्रियांबिका ,नंदिनी सहित अनेक युवा उपस्थित रहे।

**मेट्रो एंकर**

### पानी की निकासी संभव न हो वहां मिट्टी का तेल, जले हुए ऑयल का छिड़काव करें

# मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, वायरल बुखार के नियंत्रण के लिए समयिक सलाह

**सीहोर, दोपहर मेट्रो**

जिले में संभावित रोग मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया के प्रभावी नियंत्रण के लिए अपने आस-पास संपूर्ण साफ-सफाई की व्यवस्था के उपाय किये जाएं। मच्छरों की संख्या में वृद्धि होने से मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया ओर बायरल बुखार जेसे रोगो के फैलने की संभावना होती है इन रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए निर्देश जारी किये गये है।

आमजन अपने परिसर के आस-पास पानी एकत्रित होने वाली सभी अनुपयोगी वस्तुऐं जैसे टीन के डब्बे, कोंच, प्लास्टिक की बोतल, नारियल के खोल, पुराने टायर, इत्यादि का विनिष्टिकरण। कही पर पानी एकत्रित है तो उसकी तत्काल निकासी की व्यवस्था की जाए। पानी की निकासी संभव न हो वहां मिट्टी का तेल, या जले हुए ऑयल का छिड़काव किया जाए। निस्तारित पानी संग्रहित करने वाले टंकी, बालटी, टब, आदि सभी को ढंक कर रखना। मच्छर रोधी क्वाइल या लिक्विड अथवा इलेक्ट्रिक रैकेट का इस्तेमाल किया जाने तथा खिडकी दरवाजों पर मच्छर रोधी जाली लगवाना। मच्छरों के बचने के लिए प्रतिबंधात्मक उपाय किए जाए।

### स्वास्थ्य केन्द्रों में निशुल्क जाँचों की संख्या निर्धारित

उप, प्राथमिक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और 100 बिस्तर से कम क्षमता के चिन्हित सिविल अस्पताल में आवश्यक जाँच संख्या का निर्धारण किया गया है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण ने सीएमएचओ को निर्देश दिये हैं कि स्वास्थ्य केन्द्र में हाल ही में निर्धारित की गई निश्शुल्क जाँच संख्या को मरीजों के लिये उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करेंगे।उप स्वास्थ्य केन्द्र हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर में निर्धारित 17 प्रकार की जाँच में एचबी एस्टीमेशन, यूरिन प्रेग्नेंसी, यूरिन एल्बुमिन, यूरिन शुगर, ब्लड शुगर, मलेरिया, टाइफाइड, हेपेटाइटिस-बी इन्फेक्शन, स्पुटम फॉर एएफबी, आयोडीन साल्ट, यूरिन टेस्ट, एचआईवी, डेंगू, सिफलिस, एन्टी एचसीवी और चिन्हित जिलों में सीमर फॉर फायलेरियासिस शामिल हैं।

हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और 100 बिस्तर से कम क्षमता के चिन्हित सिविल अस्पताल में जॉच निर्धारण में 80 प्रकार की जाँच में यूरिन प्रेग्नेंसी, यूरिन एल्बुमिन, यूरिन शुगर, ब्लड शुगर, मलेरिया, टाइफाइड, हेपेटाइटिस-बी इन्फेक्शन, ब्लड एसडीएल, एल्केलाइन फास्फेट, आयरन, केल्शियम, एलडीएल, विटामिन-डी, एफबीएस, कोलेस्ट्राल, आरए फेक्टर, एएसओ, टी3, एसजीओटी, टी4, आरबीएस, जी6पीडी, क्रेटिनाइन, टीएसएच, प्रोटीन टोटल, ट्राइग्लीसराइड, हीमोग्लोबिन एस्टीमेशन, पीपीबीएस, एलएच, एचबीए1सी, एसजीपीडी, टोटल ल्यूकोसाइट काउंट, डिफरेंशियल ल्यूकोसाइट काउंट, प्लेटलेट काउंट, एस ब्लीरुबिन, ब्लीरूबिन डायरेक्ट एण्ड इनडायरेक्ट, एसवीएलडीएल, एप्सोल्यूट एसीनोफिल काउंट, एसग्लोव्यूलिन, यूरिन फॉर माइक्रो एल्बुमिन, रेटीक्यूलोसाइट काउंट, ब्लड यूरिया, एस एल्बुमिन एण्ड एजी रेशो, एस सोडियम, एस पोटेशियम, एस क्लोराइड, सीके-एमबी और डी-डाइमर शामिल हैं।

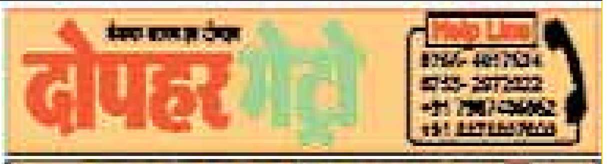

# साप्ताहिक हाट बाजार नवीन सब्जी मंडी में शिफ्ट, रास्तों की मरम्मत

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो**

विधायक उमाकांत शर्मा की दूसरी पारी प्रारंभ होते ही नगर की जन समस्याओं को व्यवस्थित रूप से ठीक करने का अभियान भी नगर पालिका ने प्रारंभ कर दिया है। पिछ्ले कुछ महीनो से नगर पालिका का संचालन भगवान भरोसे ही हो रहा है,। जनता की समस्या का समाधान नहीं होने से उनमें भी आक्रोश देखने को मिल रहा है। नगर पालिका में जाने वाले पीड़ितों की कोई सुनवाई नहीं हो रही जिसको लेकर हमारे संवाददाता ने भी नगर वासियों की समस्याओं परेशानियों को लेकर खबर का प्रकाशन प्रमुख करते हुए शहर की समस्याओं नगर पालिका के हालातो को लेकर खबर प्रकाशित करके विधायक एवं जिम्मेदार अधिकारियों के संज्ञान में लाने का काम किया था। जिसक शीर्षक विधायक उमाकांत शर्मा की दूसरी पारी में नगरपालिका की व्यवस्थाओं में परिवर्तन होगा से इसका असर धरातल पर प्रारंभ किया है।

**नगर पालिका प्रशासन व्यवस्थाओं को ठीक करने में जुटा**

विधायक के निर्देश पर शुक्रवार को नगर पालिका प्रशासन के जिम्मेदार हरकत में आते हुए नजर आए नगरपालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ के साथ प्रभारी सीएमओ राम प्रकाश साहू, स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मीन ने शहर का भ्रमण करते हुए सबसे पहले प्राथमिकता पर तहसील रोड पर लगने वाले साप्ताहिक हट बाजार को नवीन बस स्टैंड स्थित सब्जी मंडी में लगवाने के लिए सभी व्यवस्थाएं करवाई और सभी दुकानदारों को समझाया कि यहां पर जगह कम होने के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या हो रही है दुर्घटना भी घटित हो रही है इसीलिए किसी भी सब्जी विक्रेता अब यहां पर दुकान नहीं लगानी है। नवीन सब्जी मंडी में जो व्यवस्थाएं खराब पड़ी हुई थी उनको भी तत्काल जेसीबी की सहायता से ठीक करवाया रास्ते और नालियों को भी व्यवस्थित करवाने का काम मौके पर किया गया इससे कि यहां पर सब्जी विक्रेताओं को किसी भी तरह की परेशानी ना हो साथ ही यहां पर सामान खरीदने के लिए आने जाने वाले उपभोक्ताओं को भी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। पुरानी सब्जी मंडी की व्यवस्था भी लंबे समय से लाचार पड़ी हुई है यहां पर पानी निकासी की समस्या काफी समय से है कीचड़ और गंदगी के कारण दुकानदारों को परेशानी होती है, आने जाने वाले रास्ते भी ठीक नहीं था उसकी मरम्मत करवाई गई है। आने वाले दिनों में और भी परिवर्तन देखने को मिलेंगे वहीं विधायक के द्वारा नगर के विकास के लिए पहले ही करोड रुपए की राशि स्वीकृत कराई गई है, उसका काम सही तरीके से धरातल पर नहीं हो रहा है। अधिकांश ठेकेदारों के द्वारा घटिया काम करके भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है। जिनके कंधों पर नगर पालिका की जिम्मेदारी है उन्हें अपने काम को सही तरीके से नहीं किया है इसकी वजह से निर्माण कार्य धरातल पर नहीं उतर पाए हैं। यदि हो जाते तो आज शहर में धूल की समस्या नहीं होती खस्ताहाल रास्तों से मुक्ति मिल जाती सफाई की समस्या भी जो ठीक तरह से नहीं चल रही है वहां भी नहीं हो रही होती परिषद से लेकर अधिकांश अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा शहर का जायज नहीं लिया जाता है कर्मियों को ठीक करवाने का काम भी नहीं हो रहा है। इसकी वजह से समस्याएं कम होने की जगह पर बढ़ गई है। विधायक श्री शर्मा के द्वारा नगर को ग्रीन और क्लीन बनाने के लिए कई मशीन भी नगर पालिका उपलब्ध कराई है पर नगर पालिका का संचालन सही तरीके से नहीं होने के कारण हालात सुधारने की जगह बिगड़े पड़े हुए हैं।प्रदेश टुडे की खबर के बाद विधायक ने नगर को साफ स्वच्छ व विकसित बनाने के लिए नगर पालिका के जिम्मेदारो एवं अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आम जनता को किसी भी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े जो भी निर्माण कार्य चल रहे हैं गुणवत्ता के साथ हो साफ सफाई शिकायत भी नहीं आनी चाहिए। अभी जो काम हो रहा है उन निर्माण कार्यों को अधिकांश ठेकेदारों के द्वारा अपने हिसाब से करके भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है।

सफाई व्यवस्था भी चौपट पड़ी हुई है नगर पालिका में आने वाले पीड़ितों की सुनवाई भी नहीं होती अधिकतर अधिकारी, कर्मचारी इनकी समस्याओं का समाधान करें बगर ही इनको चला कर देते हैं। नगरपालिका के इंजीनियर घरों पर बैठकर बिल बनाकर भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं जो भी निर्माण कार्य पिछ्ले दिनों हुए हैं क्या उनकी जांच कराकर गुणवत्ता विहीन निर्माण करने वालों अधिकारी, कर्मचारी और ठेकेदारों पर कार्रवाई होगी या नहीं। वही प्रभारी सीएमओ राम प्रकाश साहू ने बताया कि विधायक के निर्देश पर नगर की व्यवस्थाओं को देखने के लिए गए हुए थे ।अभी ने बाजार को व्यवस्थित रूप से करवाया गया है। साथ अन्य समस्याओं को भी देखकर उनको दूर करवाया जा रहा है नगर को ग्रीन और ग्रीन बनाने के साथ विकसित शहर बनाने का जो होना है उनका विधायक के निर्देशन में पूर्ण करवाएंगे।

### 6 महीने बाद भी बिजली के तारों को खंबे के ऊपर नहीं लगा सके कर्मचारी

# विद्युत विभाग की लापरवाही ग्रामीणों पर पड़ रही भारी

**बगरोदा के मनिरामपुर गांव का है मामला**

**सिरोंज, सईद खांन**

आए दिन विद्युत विभाग से संबंधित लापरवाही की घटनाएं सामने आती है परंतु क्षेत्र में बिजली से संबंधित किसी भी तरह की कोई समस्या का समाधान समय पर नहीं हो पाता। पहले भी कई बार सिरोंज तहसील के अंतर्गत आने वाले गाँवो से लेकर क्षेत्र में बिजली के खांबो से लटकते तारो को सही करने एंव ट्रांसफार्मर के आसपास फैले बिजली के तारों को ठीक करने की शिकायते शासन प्रशासन को ग्रामीणों द्वारा दी जा चुकी है परंतु बहुत से गांव ऐसे हैं जहां पर बिजली विभाग की व्यवस्था जैसी की तैसी बनी हुई है और संबंधित विद्युत कर्मचारियों को इस व्यवस्था को दुरुस्त करने का समय नहीं है पहले भी सिरोंज तहसील के कई ग्रामों में विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते आम लोगों की जान जा चुकी है वही जान माल की हानि भी हो चुकी है परंतु उसके बाद भी विद्युत विभाग के अधिकारी गहरी नींद में सोए हुए हैं पहले भी ग्राम परसोरा, इकलौद , झंडवा, महुआ खेड़ा पृथ्वीराज के ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के द्वारा डाली गई बिजली के तारों की लाइन को ठीक करने से लेकर ट्रांसफार्मर में उलझे हुए तारों को सही करने के लिए अवगत कराया जा चुका हैं परंतु आज भी इन ग्रामों में विद्युत व्यवस्था दुरुस्त नहीं हो सकी इसका प्रमुख कारण है कि बिजली कर्मचारी और अधिकारियों को किसी भी तरह का कोई डर नहीं है वह अपनी मर्जी से कार्य करते हैं।

6 महीने बाद भी खंबो पर नहीं खींचे तार ,हर समय हादसा होने का बना रहता है डर, ग्रामीण हो रहे परेशान - बगरौदा पंचायत के मनीरामपुर गांव में हरिजन बस्ती के ग्रामीणों द्वारा कई बार विद्युत विभाग में खंबे के ऊपर बिजली के तारों को खींचकर सही करने की बात कही गई है परंतु बिजली विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उनकी इस बात को अनदेखा करके अपने कामों में लगे रहते हैं ग्रामीणों का कहना है कि अटल ज्योति योजना के अंतर्गत रखे हुए ट्रांसफार्मर से हमारे पूरे गांव की बिजली चलती है परंतु जगह-जगह तार टूटे होने के कारण हमें अपने आप से ही उन तारों को ठीक करना पड़ता है जिससे हमें अपनी जान का खतरा बना रहता है ट्रांसफार्मर से विद्युत लाइन पेड़ों पर लटकी हुई पूरे गांव में फैली हुई है जब हमारे द्वारा शिकायत की गई थी तो बिजली विभाग द्वारा खंबे भेज दिए गए थे और उन्हें खड़े भी कर दिए गए परंतु अभी तक उन पर तारों को नहीं खींचा गया है इस वजह से हम ग्रामीणों को बहुत समस्या हो रही है कई बार सरपंच से बोलकर भी इस समस्या को हल करने के बारे में कहा गया परंतु विद्युत विभाग का कोई भी कर्मचारी और अधिकारी हमारी बात सुनने को तैयार नहीं है।

**इनका कहना है -**

विगत 6 महीने पहले हमारे द्वारा विद्युत विभाग में एक आवेदन देकर ग्रामीणों की इस समस्या से अवगत कराया गया था तो पहले भी कई बार आवेदन देने के बाद भी बड़ी मुश्किल से बिजली विभाग द्वारा खंबे भेजे गए थे और उन्हें खड़े कर दिए गए थे परंतु आज 6 महीने के बाद भी उन खांबो पर ट्रांसफार्मर से बिजली के तारों को नहीं खींचा गया है यह तार पहले के जैसे ही टूटे हुए और लटके हुए हैं जो पेड़ों से होकर पूरे गांव में फैले हैं हमारे द्वारा बिजली विभाग को कई बार अवगत कराया गया है परंतु कोई सुनवाई बिजली विभाग के कर्मचारी नहीं करते ।हम विद्युत विभाग से जल्द से जल्द इन तारों को खंवो पर खींचने के लिए अपनी मांग रखते हैं ग्रामीणों की समस्या का जल्द से जल्द निराकरण हो यही प्रशासन से मांग है।

**विक्रम सिंह परिहार** सरपंच प्रतिनिधि (बगरौदा पंचायत )

ग्राम परसोरा में 2 महीने पहले वीजेपी के प्रचार सभा के लिए ग्रामीणों को लेने आई बस भी इन लटकते तारों की चपेट में आने की वजह से उसके ड्राइवर को करंट लगने से हादसा हो गया था परंतु उसे हादसे से भी विद्युत विभाग के जिम्मेदार अधिकारियो और कर्मचारियो ने कोई सबक न लेते हुए अभी तक इन लटकते तारों को ठीक नहीं किया और ना ही नल के पास रखे ट्रांसफार्मर में उलझे हुए तारों को सही करने का कोई प्रयास किया कई बार हम ग्रामीणों द्वारा बिजली विभाग को अवगत कराया जा चुका है परंतु अभी तक कोई भी विद्युत कर्मचारी इनको देखने तक भी नहीं पहुंचा किसी भी समय कोई भी बड़ा हादसा होने की संभावना बनी रहती है।

**नरेंद्र रघुवंशी** ग्रामीण परसौरा

मैं स्वयं मौके पर जाकर मनीरामपुर गांव और परसोरा का निरीक्षण करूंगा और विद्युत संबंधी जो भी कमियां हैं उनको जल्द से जल्द पूरा करने का प्रयास करूंगा विद्युत विभाग से संबंधित किसी भी समस्या को जल्द से जल्द पूरा करने का हम प्रयास करते रहते हैं ग्रामीणों को कोई समस्या ना हो इसका भी हम पूरा ध्यान रखते हैं।

**सुहाग सिंह** ए.ई.विद्युत विभाग ग्रामीण सिरोंज।

# 2 दिनों के बाद हुए सूर्य देवता के दर्शन, कोहरे का असर जारी, बढ़ी ठंड

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो**

पिछ्ली 12 दिनों से मौसम में हुए बदलाव के बाद आसमान पर बादलों ने डेरा जमाया हुआ था। शुक्रवार को सुबह घने कोहरे का असर था थोड़ी देर के बाद सूर्य देवता के दर्शन हुए दिन भर हुए शाम के समय मौसम साफ होने के कारण कड़ाके की सर्दी का एहसास भी होने लगा आने वाले दिनों में सर्दी का विकराल रूप भी देखने को मिल सकता है । क्योंकि लंबे समय से बादल छाए रहने से तापमान में वृद्धि नहीं हो रही थी दूसरी ओर फसलों में भी रौनक भी देखने मिली रहीं हैं।

# नेशनल लोक अदालत का आयोजन आज, 28 खंडपीठों का गठन

**विदिशा, दोपहर मेट्रो**

विधिक सेवा प्राधिकरण विदिशा द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में 09 दिसंबर 2023 को जिला न्यायालय विदिशा के साथ-साथ तहसील न्यायालय गंजबासौदा, सिरोंज, कुरवाई और लटेरी में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिला न्यायालय में लोक अदालत का शुभांरभ कार्यक्रम 10.30 बजे से शुभांरभ कार्यक्रम नवीन जिला न्यायालय के द्वितीय खण्ड में आयोजित किया गया है। इसके अलावा राजस्व न्यायालयों, एमपीईबी, नगरपालिका परिषद में भी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित समस्त समझौता योग्य सिविल एवं आपराधिक प्रकरण, बैंकों के ऋष्ण वसूली प्रकरण, बीएसएनएल, संपत्तिकर एवं जलकर के प्रीलिटीगेशन प्रकरणों के निराकरण हेतु विदिशा मुख्यालय में 12, गंजबासौदा में 07, सिरोंज में 03, कुरवाई में 03, एवं लटेरी में 03 इस प्रकार कुल 28 खण्डपीठों का गठन कर पीठासीन अधिकारी एवं सदस्यों को नामांकित किया गया है। इसके अतिरिक्त राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु भी खण्डपीठों का गठन किया गया है।

नेशनल लोक अदालत में कुल 14649 प्रकरण आपसी राजीनामा के रखे जाएंगे जिनमें न्यायालयों में लंबित समझौता योग्य लगभग 4162 प्रकरण तथा लगभग 10487 प्रीलीटीगेशन प्रकरण शामिल है। लोक अदालत में मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा, धारा 138 एनआई एक्ट, पारिवारिक मामलें, समझौता योग्य आपराधिक एवं सिविल मामलों को निराकरण हेतु प्रस्तुत किया गया है। इस नेशनल लोक अदालत में म.प्र. शासन उर्जा विभाग द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि विद्युत वितरण कंपनी से संबंधित प्रकरणों में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

**मेट्रो एंकर**

### सिरोंज में खुले में मांस बेचने वालों को भी दी हिदायत

# अवैध रूप से मांस दुकानों का संचालन करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो**

विधायक उमाकांत शर्मा की दूसरी पारी में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। उसका नजारा भी देखने को मिलने लगा है। वही नगर पालिका के जिम्मेदार जिम्मेदारी से काम करते हुए दिखाई देने लगे हैं। शुक्रवार को नगर में संचारित होने वाली मांस की दुकानों की जांच पड़ताल करने के लिए नगर पालिका स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी पहुंचे उन्होंने मांस विक्रेताओं को निर्देष देते हुए कहा कि कोई भी मांस विक्रेता खुले में मांस का विक्रय नहीं करेगा यदि ऐसा पाया जाता है तो कार्रवाई होगी सभी दुकानदार मोटी पन्नी लगाए या फिर कांच लगाकर दुकान के अंदर मांस को ढककर रखें यदि खुले में पाया गया तो कार्रवाई होगी। साफ-सफाई भी होनी चाहिए किसी भी तरह से आम नागरिक की भावनाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए। अभी अधिकांश दुकानदारों के द्वारा खुले में ही मांस को बेचने का काम किया जाता है। काले बाजार वाले रास्ते से आने-जाने वाले लोगों को इसके कारण परेशानी होती है उनकी धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं। इसके अलावा नगर में बड़ी मात्रा में अवैध रूप से मांस की दुकानों का संचालन कहीं भी किसी भी स्थान पर किया जा रहा है इसमें शासकीय स्कूलों से लेकर धार्मिक स्थान तथा सार्वजनिक स्थल भी शामिल है इन सभी की जांच कर कर नियम वृद्धि मांस दुकान संचालन करने वालों पर कार्रवाई करने की बात भी कई है। यदि सही तरीके से जांच पड़ता होती है तो अधिकांश दुकानें अवैध रूप से संचालित होते हुए मिलेगी।

**इनका कहना है**

नगर में जितनी भी मांस की दुकानें संचारित हो रही है उन सब का सर्वे कर रहे हैं साथ ही मांस विक्रेताओं को खुले में मांस नहीं बेचने के निर्देश दिए पालन नहीं करने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई होगी।

**राम प्रकाश साहू**
प्रभारी सीएमओ

## डब्ल्यूपीएल सीजन-2 का ऑक्शन आज: लगेगी खिलाड़ियों की बोली, 30 ही स्लॉट खाली

# 165 प्लेयर्स में से 104 भारतीय खिलाड़ी, 61 विदेशी

**मुंबई, एजेंसी**

विमेंस प्रीमियर लीग के सीजन-2 के लिए ऑक्शन आज मुंबई में हो रहा है। नीलामी के लिए 165 प्लेयर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जिनमें 104 भारतीय और 61 विदेशी खिलाड़ी हैं। विदेशियों में 15 प्लेयर्स एसोसिएट नेशंस की भी हैं। लीग की 5 टीमों में फिलहाल 30 प्लेयर्स की ही जगह खाली है, जिनमें 9 स्लॉट विदेशी प्लेयर्स के लिए रिजर्व है। 5 टीमों में 17.65 करोड़ रुपए का पर्स है, इनमें चैंपियन मुंबई इंडियंस के पास सबसे कम 2.1 करोड़ रुपए ही हैं। डब्ल्यूपीएल का दूसरा सीजन अगले साल फरवरी के तीसरे सप्ताह में शुरू हो सकता है। इसके मार्च में दूसरे सप्ताह तक खत्म होने की संभावना है। डब्ल्यूपीएल ऑक्शन में रजिस्ट्रेशन कराने वाली 165 प्लेयर्स में 56 को टी-20 इंटरनेशनल खेलने का अनुभव हैं। उम्मीद की जा रही है कि इन्हीं 56 प्लेयर्स के लिए ज्यादा टीमें बोली लगाएंगी। 109 प्लेयर्स अनकैप्ड भी हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल डेब्यू नहीं किया है। ऑक्शन में 61 विदेशी प्लेयर्स रहेंगी, जिनमें एसोसिएट नेशंस की 15 प्लेयर्स भी शामिल हैं।

### ऑक्शन में प्लेयर्स को 21 सेटों में बांटा गया

नीलामी की फाइनल लिस्ट में शामिल खिलाड़ियों को कैप्ड और अनकैप्ड के हिसाब से बांटा जाता है। फिर उन्हें बैटर, ऑलराउंडर्स, विकेटकीपर, फास्ट बॉलर और स्पिनर्स के अलग-अलग ग्रुप में भी रखते हैं। खिलाड़ियों के ग्रुप को सेट कहते हैं। ऑक्शन की 165 प्लेयर्स को इस बार 21 सेट में बांटा गया है। सबसे पहले कैप्ड बैटर्स पर बोली लगेगी। फिर कैप्ड ऑलराउंडर्स, विकेटकीपर्स, फास्ट बॉलर और आखिर में स्पिनर्स पर बोली लगेगी। इसके बाद अनकैप्ड खिलाड़ियों की बोली भी इसी सीक्वेंस में रहेगी।

### सबसे पहले किस नाम पर बोली लगेगी?

सेट-1 में कुल 9 प्लेयर्स का नाम शामिल हैं। इनमें इंग्लैंड की डेनी व्याट, मैया बाउचर, भारत की भारती फुलमाली, वेदा कृष्णमूर्ति, मोना मेसराम, प्रिया पूनिया, पुनम राऊत, ऑस्ट्रेलिया की फीएब लीचफील्ड और नाओमी स्टैलेनबर्ग के नाम हैं। ऐसे में इनमें से ही किसी एक प्लेयर का नाम सबसे पहले आएगा।

### कौन कराएगा ऑक्शन?

बीसीसीआई और डब्ल्यूपीएल कमेटी मिलकर इस ऑक्शन को कंडक्ट कराएंगी। ऑक्शन की होस्ट मल्लिका सागर हो सकती हैं । उन्होंने पिछले ऑक्शन को भी होस्ट किया था, लेकिन इसे लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। जब टीमें खिलाड़ी पर बोली लगाती हैं, तो जैसे-जैसे खिलाड़ी की कीमत बढ़ती जाती है, ऑक्शनर (नीलामीकर्ता) उसे अनाउंस करता जाता है। आखिर में सबसे ऊंची बोली लगने पर नीलामीकर्ता हैमर को डेस्क पर पटककर सोल्ड कहते हुए उस खिलाड़ी को टीम को बेच देता है। इस तरह नीलामी की प्रोसेस कम्प्लीट होती है।

### गुजरात जायंट्स के पास सबसे ज्यादा पर्स

एक टीम में कम से कम 15 और ज्यादा से ज्यादा 18 खिलाड़ी हो सकते हैं। डब्ल्यूपीएल ऑक्शन में टीमों की पर्स लिमिट भी 15 करोड़ रुपए ही है, यानी एक टीम खिलाड़ियों को खरीदने के लिए 15 करोड़ से ज्यादा रुपए खर्च नहीं कर सकती। ऑक्शन से पहले टीमों ने सीजन-1 की प्लेयर्स को रिटेन भी किया। जिसके बाद 5 टीमों में गुजरात जायंट्स के पास सबसे ज्यादा 5.95 करोड़ रुपए का पर्स बाकी हैं, जिससे उन्हें 10 प्लेयर्स खरीदने हैं। यूपी वॉरियर्ज को 5 और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 7 खिलाड़ी खरीदने हैं। यूपी के पास 4 करोड़ और आरसीबी के पास 3.35 करोड़ रुपए का पर्स बाकी है। सीजन-1 की चैंपियन मुंबई इंडियंस के पास सबसे कम 2.1 करोड़ रुपए बाकी हैं, इससे उन्हें 5 प्लेयर्स खरीदने हैं। रनर-अप दिल्ली कैपिट्लस के पास 2.25 करोड़ रुपए बाकी हैं, इससे उन्हें महज 3 प्लेयर्स ही खरीदना है।

### 50 लाख की बेस प्राइस में 2 खिलाड़ी

डब्ल्यूपीएल ऑक्शन लिस्ट खिलाड़ियों की बेस प्राइस 10 लाख से 50 लाख रुपए के बीच है। इस बार 2 ही प्लेयर्स की बेस प्राइस 50 लाख रुपए हैं। इनमें वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डोटिन और ऑस्ट्रेलिया की किम गार्थ शामिल हैं। 4 प्लेयर्स की बेस प्राइस 40 लाख रुपए हैं, इनमें इंग्लैंड की विकेटकीपर एमी जोन्स, साउथ अफ्रीका की तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल, ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड और जॉर्जिया वेयरहम हैं।

### 30 लाख की बेस प्राइस में श्रीलंका की कप्तान

श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू 30 लाख की बेस प्राइस वाली खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह पिछले सीजन अनसोल्ड रही थीं। पिछले सीजन की अनसोल्ड प्लेयर्स वेदा कृष्णामूर्ति, डैनी व्याट, फीब लीचफील्ड, ली ताहुहु और टैमी ब्यूमोंट भी इस बार 30 लाख रुपए की बेस प्राइस में ही रहेंगी।

### मुंबई ने जीता था सीजन-1 का खिताब

विमेंस प्रीमियर लीग का पहला सीजन इसी साल 4 से 26 मार्च के बीच खेला गया था। मुंबई इंडियंस ने फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को हराकर खिताब जीता था। मुंबई की कप्तानी हरमनप्रीत कौर और दिल्ली की मेग लेनिंग ने की थी। पहले सीजन में 5 टीमों ने हिस्सा लिया था, दूसरे सीजन में भी 5 ही टीमें हिस्सा लेंगी। वीमेंस प्रीमियर लीग के सीजन-2 का ऑक्शन आज दोपहर 3 बजे से मुंबई में होगा। इस साल कुल 165 खिलाड़ी ऑक्शन में नामित हुए हैं। इनमें 104 भारतीय और 61 विदेशी प्लेयर्स हैं, जिनमें से 30 प्लेयर्स खरीदी जाएंगी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ऑल फॉर्मेट सीरीज 10 दिसंबर से शुरू होने जा रही है। 3 टी-20 की सीरीज से दौरा शुरू होगा, इसके बाद 3 वनडे और 2 टेस्ट भी खेल जाएंगे। तीन फॉर्मेट के 8 मैचों के लिए भारत से 31 प्लेयर्स साउथ अफ्रीका जाएंगे। इनमें 16 की उम्र 21 से 29 साल के बीच है।

---

### मेग लैनिंग के बाद मिली जिम्मेदारी, 21 दिसंबर से शुरू होगा टेस्ट मैच

# मिचेल स्टार्क की पत्नी एलिसा हीली बनीं ऑस्ट्रेलिया वीमेंस टीम की कप्तान

**एंटीगुआ, एजेंसी**

ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम दिसंबर-जनवरी में भारत का दौरा करेगी, जहां दोनों टीमों के बीच तीनों फॉर्मेट की सीरीज खेली जाएगी. इस दौरे से पहले ऑस्ट्रेलिया ने विकेटकीपर बल्लेबाज़ एलिसा हीली को तीनों फॉर्मेट में टीम का नियमित कप्तान बना दिया है. इसके अलावा ताहलिया मैक्ग्रा को उपकप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है. ये बदलाव मेग लैनिंग के बाद हुए, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। मेग लैनिंग तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान थीं, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया पुरुष टीम के खिलाड़ी मिचेल स्टार्क की पत्नी एलिसा हीली ने रिप्लेस कर दिया है. ऑस्ट्रेलिया की टीम हीली की कप्तानी में पहला दौरा भारत का करेगी, जिसकी शुरुआत 21 दिसंबर से इकलौते टेस्ट के साथ होगी. इसके बाद दोनों टीमें 28 दिसंबर से तीन मैचों की वनडे और 05 जनवरी से तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेंगी। हीली इससे पहले भी टीम कमान संभाल चुकी हैं. उन्होंने अंतरिम कप्तान के रूप में इंग्लैंड, आयरलैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ कप्तानी की है. इसके अलावा उपकप्तान बनने वाली ताहलिया मैक्ग्रा भी ऑस्ट्रेलिया वीमेंस टीम की कमान संभाल चुकी हैं. उन्होंने दो बार टीम की कप्तानी की है, जब एलिसा हीली मौजूद नहीं थीं।

### बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित

**नईदिल्ली, एजेंसी**

बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने 13 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन, तेज गेंदबाज विल ओ रुर्के और लेग स्पिनर आदित्य अशोक को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। वहीं टीम की कप्तानी टॉम लैथम को सौंपी गई है। बांग्लादेश के खिलाफ न्यूजीलैंड को तीन वनडे मैचों की सीरीज 17 दिसंबर से खेलना है। इस सीरीज से नियमित कप्तान केन विलियमसन सहित टीम के सीनियर खिलाड़ी टिम सउदी, डेरिल मिचेल, मिचेल सैंटनर, ग्लेन फिलिप्स और डेवोन कॉन्वे को आराम दिया गया है। ये सभी खिलाड़ी अभी बांग्लादेश के दौरे पर हैं और दो टेस्ट मैचों की सीरीज में टीम का हिस्सा हैं। ये भारत में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे।

# लुंगी भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर

### वर्ल्ड कप के दौरान हुए थे चोटिल, ब्यूरेन हेंड्रिक्स टीम में शामिल

**नईदिल्ली, एजेंसी**

साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी चोट की वजह से भारत के खिलाफ रविवार से शुरू हो रही 3 टी-20 मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट साउथ अफ्रीका के एक बयान में कहा गया है कि 27 साल के खिलाड़ी को टीम से रिलीज कर दिया गया है। एनगिडी अपने घरेलू टीम के पास लौट गए हैं, हालांकि, साउथ अफ्रीका की मेडिकल टीम निगरानी में रिहैब करेंगे। एनगिडी की जगह तेज गेंदबाज ब्यूरेन हेंड्रिक्स को शामिल किया गया है। 33 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेंड्रिक्स ने राष्ट्रीय टीम के लिए अपना पिछला मैच 2021 में टी-20 फॉर्मेट में ही खेला था। वे 19 टी-20 इंटरनेशनल में 25 विकेट ले चुके हैं। लुंगी एनगिडी वनडे वर्ल्ड कप के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके बाएं टखने में मोच थी। जिसकी वजह से वह कोलकाता में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में भी वह नहीं खेल सके थे। एनगिडी को भारत के खिालफ टी-20 सीरीज के लिए घोषित टीम में जगह दी गई थी। उम्मीद थी कि वह भारत के खिलाफ सीरीज से पहले वह फिट हो जाएंगे, लेकिन अभी तक वह फिट नहीं हो सके।

भारत में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप के दौरान अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए मैच में लुंगी एनगिडी चोटिल हो गए थे। 27 साल के साउथ अफ्रीका के अनुभवी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने अपने देश के लिए अब तक 17 टेस्ट, 56 वनडे और 20 टी-20 मुकाबले खेले हैं। ऐसे में उनके नाम टेस्ट में 51 विकेट, वनडे में 88 विकेट और टी-20 में 60 विकेट हैं। तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए टीम इंडिया 6 दिसंबर की सुबह डरबन पहुंच गई थी।

---

## मेट्रो बाजार

# टाटा ग्रुप भारत की सबसे बड़ी आईफोन फैक्ट्री लगाएगा

**मुंबई, एजेंसी**

टाटा ग्रुप भारत का सबसे बड़ा आईफोन असेंबली प्लांट लगाने का प्लान बना रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाटा ग्रुप तमिलनाडु के होसुर में ये फैक्ट्री लगाना चाहता है। होसुर, बेंगलुरु से महज 40 किलोमीटर की दूरी पर है। इस फैसिलिटी में 2 साल के अंदर 20 असेंबली लाइन्स बनाई जाएंगी और करीब 50,000 एम्प्लॉइज को रोजगार मिलेगा। इस फैसिलिटी को 12 से 18 महीने में चालू करने का टारगेट है। हालांकि, एपल की ओर से अब तक इस मामले पर कोई बयान सामने नहीं आया है। इस प्लांट से भारत में प्रोडक्शन बढ़ाने की एपल की उम्मीदों को बल मिलेगा। एपल चीन में अपने प्रोडक्शन को डायवर्सिफाई करना चाहता है। इसके तहत कंपनी भारत, थाईलैंड, मलेशिया और दूसरे देशों में अपने असेंबली और कंपोनेंट साझेदारों के साथ साझेदारी और तेज कर रही है। टाटा ग्रुप ने पिछले महीने नवंबर में विस्ट्रॉन कॉर्पोरेशन से कर्नाटक में मौजूद एपल की फैक्ट्री खरीदी थी। जिसमें 10,000 से ज्यादा एम्प्लॉइज काम करते हैं। टाटा ग्रुप ने पिछले महीने नवंबर में विस्ट्रॉन कॉर्पोरेशन से कर्नाटक में मौजूद एपल की फैक्ट्री खरीदी थी। जिसमें 10,000 से ज्यादा एम्प्लॉइज काम करते हैं। एपल के सप्लायर्स ने भी अपनी एक्टिविटीज भारत में तेज कर दी हैं। इन सप्लायर्स को भारत सरकार की तरफ से मिल रही सब्सिडीज से भी बल मिला है। इन सप्लायर्स में ताइवान की फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी और पेगाट्रॉन कॉर्पोरेशन के नाम शामिल हैं।

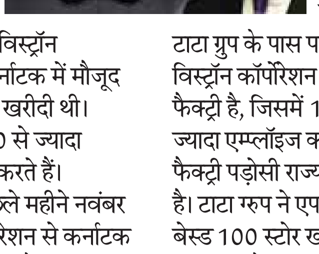

टाटा ग्रुप के पास पहले से ही विस्ट्रॉन कॉर्पोरेशन से खरीदी गई फैक्ट्री है, जिसमें 10,000 से ज्यादा एम्प्लॉइज काम करते हैं। ये फैक्ट्री पड़ोसी राज्य कर्नाटक में है। टाटा ग्रुप ने एपल प्रोडक्ट पर बेस्ड 100 स्टोर खोलने की भी बात कही है।

## इंफिनिक्स स्मार्ट 8 एचडी स्मार्टफोन हुआ लॉन्च

**नईदिल्ली, एजेंसी**

टेक कंपनी इंफिनिक्स ने भारत में इंफिनिक्स स्मार्ट 8 एचडी स्मार्टफोन लॉन्च किया है। कंपनी ने स्मार्ट सीरीज के इस डिवाइस में डुअल रियर कैमरा सेटअप और 5000 एमएच बैटरी के साथ आईफोन के डायनामिक आइलैंड जैसा मैजिक रिंग फीचर दिया है। इस फीचर की मदद से यूजर्स नैविगेशन, म्यूजिक, नोटिफिकेशन समेत कई चीजें एक्सेस कर सकते हैं। एपल ने ने पहली बार ये फीचर आईफोन 14 प्रो मॉडल्स में दिया था। कंपनी ने इंफिनिक्स स्मार्ट 8 ॥ष्ठ स्मार्टफोन को 3 जीबी रैम +64 जीबी स्टोरेज के सिंगल ऑप्शन के साथ बाजार में उतारा गया है। फोन की कीमत 6,299 रुपए रखी गई है, जिसे 5,669 रुपए के इंट्रोडक्टरी प्राइस में खरीदा जा सकता है। इसकी सेल 13 दिसंबर से ई-कॉमर्स प्लेटफार्म फ्लिपकार्ट पर शुरू होगी। फोन तीन कलर ऑप्शन- क्रिस्टल ग्रीन, शाइनी गोल्ड, गैलेक्सी वाइट और टिंबर ब्लैक में अवेलेबल है। इंफिनिक्स स्मार्ट 8 एचडी में 500 की निट्स ब्राइटनेस के साथ 6.6 इंच का एचडी + डिस्प्ले दिया है, जो 90 ॥5 के रिफ्रेश रेट पर काम करता है। डिवाइस में प्रोसेसिंग के लिए कंपनी ने एंट्री लेवल चिपसेट लगाया है। डेटा स्टोर करने के लिए 3 जीबी रैम +64 जीबी का इंटरनल स्टोरेज दिया गया है। साथ ही रैम को बढ़ाने के लिए 3 जीबी एक्सटेंटेड रैम सपोर्ट और माइक्रो कार्ड के जरिए 2 जीबी तक इंटरनल स्टोरेज बढ़ाया जा सकता है।

---

**मनोरंजन** **बॉलीवुड का कोना**

## पहली मुलाकात पर नहीं की थी आलिया ने रणबीर से बात

एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने अपने और पति रणबीर कपूर से जुड़े एक नए किस्से का खुलासा किया है। दरअसल आलिया ने रेड सी फिल्म फेस्टिवल के तीसरे सेशन में बातचीत के दौरान बताया कि पति रणबीर कपूर के साथ उनकी पहली मुलाकात 9 साल की उम्र में हुई थी। उस वक्त आलिया 9 साल की थीं और रणबीर 19 साल के थे। दरअसल आलिया ने संजय लीला भंसाली के एक प्रोजेक्ट में चाइल्ड आर्टिस्ट का काम किया था। उसी प्रोजेक्ट में रणबीर असिस्टेंट डायरेक्टर थे। आलिया ने बताया कि मैं 9 साल की थी। मैंने उन्हें देखा लेकिन बात नहीं की थी। उस दौरान एक तस्वीर भी खिंचवाई गई थी जो अब तक मेरे पास है। एक्ट्रेस ने बताया कि उस वक्त रणबीर एक्टर नहीं थे इसलिए मैं उनकी तरफ देख भी नहीं रही थी। मेरा पूरा ध्यान संजय लीला भंसाली पर था क्योंकि वह मुझे शुरू से पसंद हैं। आलिया का कहना है कि उनकी मां उन्हें भंसाली के कहने पर वहां लेकर गई थीं। आलिया ने अपने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि इंडस्ट्री में आने के बाद से ही रणबीर कपूर उनके क्रश थे।

बता दें कि रणबीर और आलिया को बॉलीवुड का पावर कपल कहा जाता है। कपल शादी के एक साल के अंदर ही पेरेंट्स बन गए थे। रणबीर और आलिया की शादी पिछले साल 14 अप्रैल 2022 को हुई थी। शादी को काफी प्राइवेट रखा गया था और इसमें परिवार से जुड़े सदस्य और कुछ अन्य लोग ही शामिल हुए थे। शादी होने से पहले दोनो ने करीब 5 साल एक दूसरे को डेट किया था। ब्रह्मास्त्र के सेट पर दोनों की नजदीकियां बढ़ी थी। आलिया भट्ट ने 6 नवंबर 2022 को अपनी बेटी को जन्म दिया।

### हेमा के कारण धर्मेंद्र ने एक सीन में खर्च किए थे हजारों रुपए

धर्मेंद्र ने अपनी शानदार एक्टिंग से हर किसी के दिल में अलग ही जगह बनाई है। अपने जमाने में सबसे ज्यादा हिट फिल्म देने वाले एक्टर की फॉलोइंग आज काफी ज्यादा है। धर्मेंद्र ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 1960 में 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' के साथ की थी। इसके बाद उन्होंने कई शानदार फिल्में बॉलीवुड को दी है। इतना ही नहीं, उस समय धर्मेंद्र ने एक्ट्रेस के पीछे हजारों रुपए उड़ा दिए थे। दरअसल, शोले फिल्म के एक सीन में धर्मेंद्र, हेमा मालिनी को बंदूक चलाना सिखाते हैं। फिल्म का यह सीन काफी आइकोनिक है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस सीन की शूटिंग के दौरान धर्मेंद्र लाइट ब्वॉय को 20 रुपये देते थे, ताकि वह जानबूझकर परेशान करे और इस सीन के लिए बार-बार रीटेक हो। धर्मेंद्र ऐसा सिर्फ इसलिए करते थे ताकि वे हेमा मालिनी को गले लगा सकें। ऐसा करने के लिए उन्होंने धीरे-धीरे करके 2000 रुपये खर्च कर डाले थे।

## एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने कहा - लकी हूं जो अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम करने को मिला

बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ भी हाल ही में सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित तीसरे रेड सी अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में शामिल हुई थीं। यहां दर्शकों से संवाद करते हुए कटरीना ने कहा कि सिनेमा में हिट होने का पहले से कोई तय फार्मूला नहीं होता। एक्ट्रेस ने कहा- 'यहां हम किसी 'एक्स फैक्टर' की उम्मीद नहीं कर सकते जो आपको हमेशा सफलता दिला दे। आप पहले से यह तय नहीं कर सकते कि रोल हिट होगा या यह स्क्रिप्ट चल जाएगी। हम अक्सर अपने इंस्टिंक्ट के बेस पर रोल और स्क्रिप्ट चूज करते हैं, पर फिल्म तो डायरेक्टर बनाता है। मैं लकी हूं जो मुझे यश चोपड़ा, कबीर खान, रोहित शेट्टी और श्रीराम राघवन जैसे जीनियस डायरेक्टर के साथ काम करने का मौका मिला।'

### शाहरुख ने हमेशा मेरा सपोर्ट किया

कटरीना ने आगे कहा कि उन्हें हमेशा अच्छे लोगों का साथ मिला है। एक्ट्रेस ने बताया कि जब यश चोपड़ा ने उन्हें शाहरुख खान के साथ 'जब तक है जान' में कास्ट किया था तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था। दुर्भाग्यवश यह यश चोपड़ा की आखिरी फिल्म थी। कैट ने यह भी कहा कि शाहरुख खान ने हमेशा उनका सपोर्ट किया है।

### 'पापा तलाक के बाद अमेरिका चले गए, मां ने हमे पाला'

अपने परिवार के बारे में कटरीना ने कहा- 'हम 6 बहनें हैं और मेरा परिवार इतना बड़ा है कि किसी दूसरे की हमें जरूरत ही नहीं पड़ती। हमारा आपसी सपोर्ट सिस्टम बहुत मजबूत रहा है। मेरी मां ने हमें निर्भय होना सिखाया। मैं जब छोटी थी तभी मेरे पैरेंट्स का तलाक हो गया। पापा मोहम्मद कैफ एक कश्मीरी बिजनेस मैन और मां सुजैन टरकोट ब्रिटिश वकील और सोशल वर्कर हैं। तलाक के बाद पापा अमेरिका चले गए। मां ने ही हम सबको पाला-पोसा और बड़ा किया।

'हमने लंदन पहुंचने के लिए काफी ट्रैवल किया'

## पूर्व परिचित ने पिता को दी धमकी, रुपए नहीं दिए तो बेटे को मार देंगे

# ट्रेन में रेलकर्मी के बेटे से मारपीट, चाकू अड़ाकर विदिशा स्टेशन पर साढ़े 25 हजार कराए ट्रांसफर

### रेलकर्मी के बेटे को विदिशा स्टेशन पर उसका मोबाइल लौटाया और भाग निकला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

**भोपाल-सिंगरोली एक्स प्रेस में रेलकर्मी के बेटे से अड़ीबाजी और मारपीट का मामला सामने आया है। आरोपी ने रेलकर्मी के बेटे को बीना से पूर्व विदिशा रेलवे स्टेशन पर उतारकर मारपीट की और जेब में रखे 10 हजार पांच सौ रुपए निकाल लिए। आरोपी का साढ़े दस हजार रुपए में मन नहीं भरा तो उसने रेलकर्मी के बेटे से पिता के मोबाइल पर कॉल किया और धमकाते हुए 9 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। 9 हजार रुपए ट्रांसफर होते ही आरोपी रेलकर्मी के बेटे को एक दुकान पर लेकर पहुंचा और पंद्रह हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। 25 हजार पांच सौ रुपए हाथ लगने के बाद आरोपी ने रेलकर्मी के बेटे को विदिशा स्टेशन पर उसका मोबाइल लौटाया और भाग निकला।**

जीआरपी के अनुसार अनिकेत शर्मा पिता रत्नेश शर्मा (22) बीना में रेलवे क्वार्टर में रहता है। वे रेलवे में ट्रैकमेन है। अनिकेत भोपाल स्थित एचडीएफसी बैंक में नौकरी करता है और प्रतिदिन भोपाल से बीना अपडाउन करता है। मूलत-मंडी बामोरा निवासी अनिकेत के पड़ोस में यशवंत राजपूत किराए से रह रहा था। यशवंत अपनी पत्नी से मारपीट करता था। पड़ोस में रहने के कारण अनिकेत शर्मा की मां यशवंत की पत्नी की मदद करने लगी। लिहाजा अनिकेत और यशवंत की दोस्ती हो गई। अब अनिकेत बीना में रहता है और उसे यशवंत से कोई मतलब नहीं है।

### पिता और बेटे को दी अलग-अलग धमकी

आरोपी ने पिता को अनिकेत के नंबर से कॉल किया और कहा कि 9 हजार रुपए ट्रांसफर कर दो नहीं तो तुम्हारे बेटे को जान से खत्म कर दूंगा। इधर, आरोपी ने अनिकेत से कहा कि तुम्हारे घर लड़के भेज दिए है। यदि रुपए नहीं दिए तो माता-पिता को खत्म कर देंगे। डरे सहमे पिता ने अनिकेत के मोबाइल पर 9 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। अनिकेत के पास पहले से खाते में 6 हजार रुपए थे। मोबाइल यशवंत के पास था। उसे 9 हजार रुपए का खाते में आने का मैसेज मिल गया। आरोपी अनिकेत को चाकू अड़ाकर बाहर एक दुकान पर ले गया। उसने कहा कि दुकानदार को कुछ बताया तो जान से खत्म कर दूंगा। दुकान पर ले जाकर अनिकेत से मजबूरी बताते हुए दुकानदार के खाते में 15 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए और नकदी ले ली। कुल 25 हजार पांच सौ रुपए हाथ लगने के बाद आरोपी यशवंत ने अनिकेत का मोबाइल लौटाया और उसे विदिशा स्टेशन पर छोड़कर फरार हो गया। घटना की शिकायत अनिकेत ने जीआरपी भोपाल से की थी। जीआरपी ने प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

### भोपाल स्टेशन से बैठा था साथ

अनिकेत ने बताया कि गत 2 दिसंबर की शाम बैंक में काम होने के कारण वह लेट हो गया। शाम को उसने भोपाल स्टेशन से भोपाल सिंगरोली एक्सप्रेस पकड़ी। इससे पहले उसे स्टेशन पर यशवंत मिल गया था। यशवंत ने अनिकेत से बातचीत की और कहा कि जनरल कोच में साथ चल लो। परिचित होने के कारण अनिकेत उसके साथ जनरल कोच में बैठ गया। ट्रेन चलने लगी और यशवंत कहने लगा कि तुम मेरी पत्नी को मोबाइल पर मैसेज करते हो। अनिकेत ने उसकी बातें मजाक में ली। अब यशवंत, अनिकेत के जेब चेक करने लगा था। वह कह रहा था कि चलो कुछ पैसा खर्च कर दो। यशवंत को पता चला कि अनिकेत के पास है तो आरोपी यशवंत ने विदिशा स्टेशन पर अनिकेत को जबरन उतार लिया और अंधेरे में ले जाकर मारपीट की।

## बगैर इंडीकेटर के मुड़ी कार में घुसा ऑटो, महिला समेत 3 घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गांधी नगर इलाके में एक कार चालक ने बगैर इंडीकेटर दिये कार को मोड़ दिया, जिससे पीछे से आ रहा आटो कार में जाकर भिड़ गया। इस हादसे में आटो में बैठी महिला को गंभीर चोट आई, जबकि उसके पति और आटो चालक को भी चोट आई है। हादसे में आटो बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक अर्जुन सिंह शाक्या (49) मेला ग्राउंड झुग्गीबस्ती थाना बैरसिया में रहते हैं। गुरुवार दोपहर करीब एक बजे वह अपनी पत्नी माया के साथ संत आसाराम चौराहा से आटो में बैठकर करोंद चौराहा जा रहे थे। केंद्रीय जेल के सामने उनके आगे चल रही एक सफेद रंग की कार के चालक ने बगैर इंडीकेटर दिए अपनी कार को दाहिने तरफ मोड़ दिया, जिससे पीछे चल रहा आटो कार में जाकर टकरा गया। इस हादसे में माया को गंभीर चोट आई थी। एम्बुलेंस की मदद से माया को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से अर्जुन ने पत्नी को बैरसिया अस्पताल भेज दिया। इस हादसे में अर्जुन और आटो चालक को भी चोट आई थी। बाद में अर्जुन ने गांधी नगर थाने पहुंचकर कार चालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

## कार की टक्कर से स्कूटर सवार महिला बैंककर्मी घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा इलाके में एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से स्कूटर सवार महिला बैंककर्मी घायल हो गई। पुलिस के मुताबिक समीना बेग (41) खानूगांव कोहेफिजा में रहती हैं और नेहरू नगर स्थित एसबीआई में सीनियर एसोसिएट हैं। गुरुवार सुबह करीब सवा दस बजे वह अपनी स्कूटर से ड्यूटी जाने के लिए निकली थी। वीआईपी रोड स्थित करबला तिराहे पर पहुंची, तभी रेतघाट की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार के चालक ने अचानक तिराहे पर कार को मोड़ा और समीना के स्कूटर में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही समीना स्कूटर समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गई। उनके हाथ-पैर में गंभीर चोट आई। बाद में उन्होंने थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

## सब्जी की दुकान में घुसी तेज रफ्तार कार, महिला घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ इलाके में एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे लगी सब्जी की दुकान में घुस गई, जिससे सब्जी बेचने वाली महिला घायल हो गई। पुलिस के मुताबिक काशीबाई लोधी (50) पूजा कालोनी के पास झुग्गीबस्ती नीलबड़ में रहती हैं। वह डीपीएस जोड़ के पास सड़क किनारे सब्जी की दुकान चलाती हैं। गुरुवार रात करीब साढ़े नौ बजे काशीबाई अपनी दुकान पर बैठी थी, तभी साक्षी ढाबे की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार उनकी दुकान पर रखी सब्जी की कैरेटों को टक्कर मारते हुए दीवार से जाकर टकरा गई। इस हादसे में काशीबाई कार की चपेट में आकर घायल हो गई। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

## बुजुर्ग व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर इलाके एक अज्ञात वाहन ने बुजुर्ग व्यक्ति को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक ओ. गोईया (74) भवानी धाम फेस-1, नरेला शंकरी अयोध्या नगर में रहते हैं। गुरुवार सुबह करीब सवा ग्यारह बजे वह नरला जोड़ स्थित नर्सरी के पास काम से गए थे, तभी अज्ञात वाहन ने उन्हें पीछे से टक्कर मारकर घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घायल व्यक्ति के बेटे धनशेखर की रिपोर्ट पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। धनशेखर निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। घटना के समय वह काम पर गए थे और दोस्त से मिली घटना की सूचना के बाद वापस लौटे।

## युवती का मोबाइल छीनकर चलती ट्रेन से कूदकर भागा लुटेरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में यात्रियों के सामान चोरी करने और मोबाइल लूटने की घटनाएं थम नहीं रही हैं। भोपाल से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बीच एक युवती का मोबाइल फोन छीनकर बदमाश चलती ट्रेन से कूदकर भाग निकला। इसी प्रकार ट्रेन के प्लेटफार्म छोड़ते ही एक अन्य युवक का मोबाइल फोन बदमाश ने छीन लिया। प्लेटफार्म पर सोते समय एक युवक की जेब से चोरों ने नकद रुपये निकाल लिए। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर लिए हैं, लेकिन एक भी वारदात का खुलासा नहीं हो पाया है। जीआरपी से मिली जानकारी के अनुसार विदिशा निवासी रिया चौकसे भोपाल एक्सप्रेस के जनरल कोच में विदिशा से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के लिए यात्रा कर रही थी। रिया ने अपना ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन हाथ में पकड़ रखा था। यह ट्रेन जैसे ही भोपाल स्टेशन से रवाना हुई, वैसे ही एक बदमाश ने रिया के हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और चलती ट्रेन से कूदकर भाग निकला। मोबाइल की कीमत 14 हजार पांच सौ रुपये बताई गई थी। ट्रेन के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचने पर रिया ने जीआरपी थाने पहुंचकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर, इंदौर निवासी नरेंद्र जारोलिया गुरुवार को कुर्नूल से भोपाल पहुंचे। यहां से उन्हें सागर जाना था। ट्रेन का इंतजार करने के लिए नरेंद्र प्लेटफार्म क्रमांक-6 की तरफ सर्कुलेटिंग एरिया में बैठ गए, तभी उन्हें नींद लग गई। इस दौरान किसी ने उनकी जेब से साढ़े तीन हजार रुपए निकाल लिए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

**अप-डाउनर का मोबाइल छीनकर भागा बदमाश:** इटारसी निवासी सचिन बेनखिया प्रायवेट काम करते हैं। वह इटारसी से भोपाल के एमएसटी पर अप-डाउन करते हैं। बीते दिवस भोपाल से इटारसी जाने के लिए प्लेटफार्म क्रमांक 5 पर ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। एक ट्रेन आई तो वह एस-4 कोच में चढ़ गए। भीड़भाड़ ज्यादा होने के कारण वह गेट पर ही खड़े रहे। ट्रेन चलने के बाद वह जैसे ही प्लेटफार्म छोड़कर आगे पहुंचे, वैसे ही एक बदमाश ने उनके हाथ से वीवो कंपनी का मोबाइल फोन छीन लिया और भाग निकला। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद सचिन ने मोबाइल चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

## यात्री बस की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा इलाके में गुरुवार रात एक तेज रफ्तार यात्री बस ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक चालक को गंभीर चोट आई, जबकि उसकी पत्नी और बेटे को हल्की चोट लगी है। घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से घायल को होश नहीं आया है। पुलिस ने पत्नी की रिपोर्ट पर बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक शारदा बाई पत्नी सोनू शाक्या (30) शिवनगर फेस-3 अस्सी फीट, रोड छोला मंदिर में रहती है और मेहनत मजदूरी का काम करती है। गुरुवार रात करीब साढ़े आठ बजे वह अपने पति और बेटे के साथ पैतृक गांव सिरोंज जाने के लिए घर से निकली थी। बाइक उनका पति सोनू चला रहा था। तीनों जैसे ही करोंद चौराहा क्रास करने लगे, तभी एक तेज रफ्तार यात्री बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। सोनू के सिर और हाथ पैर में गंभीर चोट आई, जिसके कारण वह बेहोश हो गया। आसपास के लोगों की मदद से पत्नी उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज चल रहा है। पुलिस ने शारदा बाई की रिपोर्ट पर बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

## सड़क पार कर रहे युवक को टक्कर मारने के बाद कार लेकर भाग निकला चालक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

परवलिया सड़क इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने सड़क क्रास कर रहे युवक को टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोग जब तक मौके पर पहुंचते, उसके पहले चालक कार लेकर भाग निकला। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। कार की पहचान के लिए मार्ग में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज निकाले जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक फारुख खां (28) बाग मोहल्ला परवलिया सड़क में रहते हैं। बुधवार की शाम को वह शाहपुर जोड़ स्थित अपने भाजे की पंचर दुकान पर खड़े हुए थे। इसी बीच देखा कि उनका भाई करीम उर्फ शेरू सड़क क्रास करके बाग मोहल्ले की तरफ जा रहा है। करीम जैसे ही बीच रोड पर पहुंचा, वैसे ही भोपाल की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने करीम को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से करीम सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। फारुख और आसपास के लोग दौड़े तो टक्कर मारने वाला कार चालक गाड़ी लेकर मौके से भाग निकला। गंभीर रूप से घायल करीम को इलाज के लिए मुबारकपुर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां नाजुक हालत में उसका इलाज चल रहा है। गुरुवार को फारुख ने थाने पहुंचकर टक्कर मारने वाले अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया। वहीं श्यामला हिल्स स्थित बोट क्लब के पास बीती रात एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने इलेक्ट्रिक रिक्शे को टक्कर मार दी, जिससे रिक्शे में बैठी दो सवारियों को गंभीर चोट आई है। पुलिस के मुताबिक कुलदीप तिवारी (28) मिनाल रेसीडेंसी के पास चाणक्यपुरी में रहता है और इलेक्ट्रिक रिक्शा चलाता है। गुरुवार रात करीब दस बजे बोट क्लब के मेन गेट से उसने दो सवारियां बिठाई और रिक्शे को मोड़कर न्यू मार्केट की तरफ जाने के लिए रवाना हुआ। उसी समय वन विहार की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उसके रिक्शे में टक्कर मार दी, जिससे पीछे बैठे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। कुलदीप ने घायल सवारियों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा और बाद में थाने जाकर टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया।

## मादक पदार्थ गांजा और शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मादक पदार्थ गांजे और अवैध शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। बिलखिरिया पुलिस के मुताबिक कोकता मल्टी के पास संदिग्ध हालत में घूम रहे एक युवक को हिरासत में लेकर तलाशी ली गई तो उसके पास अवैध रूप से रखा 700 ग्राम गांजा रखा मिला। पूछताछ में युवक ने अपना नाम अखिल चौधरी निवासी पिपलानी बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। जब्त हुए गांजे की कीमत करीब सात हजार रुपये बताई गई है। इधर मिसरोद पुलिस ने गुरुवार रात बंगरसिया बस स्टाप के पास गोविंद कुशवाह निवासी मिसरोद को अवैध शराब के साथ पकड़ा। आरोपी के पास से कुल 36 क्वार्टर अवैध शराब जब्त हुई। जब्त हुई शराब की कीमत तीन हजार रुपए बताई गई है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

## नाबालिग से मनचले ने की छेड़छाड़

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।** कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित लालघाटी ओवर ब्रिज के नीचे कल शाम एक नाबालिग से मनचले ने छेड़छाड़ कर दी। पुलिस ने नाबालिग की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार 17 साल की नाबालिग इलाके में रहती है। इसी क्षेत्र में रहने वाले इमरान से उसकी पहचान है। इमरान काफी समय से उसका पीछा कर रहा था। वह इमरान को समझाइश दी चुकी थी, लेकिन उसकी हरकतें सुधरने का नाम नहीं ले रही है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि शनिवार शाम वह काम से मार्केट गई हुई थी। इसी दौरान करीब छह बजे लालघाटी ओवरब्रिज के नीचे उसे इमरान ने रोक लिया और बुरी नियत से उसका हाथ पकड़कर छेड़छाड़ करने लगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-4917524, 2972022